मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, बुधवार 30 सितंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-169, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

एमपी मोहन कैबिनेटः 24,500 करोड़ के काम मंजूर

अग्निवीरों को पांच वर्दीधारी विभागों की भर्तियों में मिलेगा 20% आरक्षण



एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मध्यप्रदेश के विकास और रोजगार से जुड़े कई बड़े फैसले लिए गए। करीब 24,500 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें अग्निवीरों के लिए पांच वर्दीधारी सेवाओं की भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण, दमोह-कटनी के बीच 105.10 किलोमीटर फोरलेन सड़क, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और चार सिंचाई परियोजनाओं को जारी रखने जैसे फैसले शामिल हैं।

कैबिनेट ने अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में अवसर देने के लिए पांच वर्दीधारी सेवाओं की भर्ती में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का फैसला किया है। इसका लाभ गृह विभाग के सामान्य आरक्षक, विशेष सशस्त्र बल, जेल प्रहरी, वन रक्षक और आबकारी आरक्षक के पदों पर मिलेगा। गृह विभाग की सामान्य आरक्षक और विशेष सशस्त्र बल की भर्ती में होमगार्ड को 10 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिकों को 5 प्रतिशत और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। जेल प्रहरी और वन रक्षक के पदों पर होमगार्ड को 15 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिकों को 5 प्रतिशत और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। आबकारी आरक्षक के पद पर होमगार्ड के लिए 10 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिकों के लिए 5 प्रतिशत और अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण तय किया गया है।

कैबिनेट ने अतिथि शिक्षकों के मानदेय से जुड़ी योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के लिए 5,329 करोड़ 17 लाख रुपये मंजूर किए हैं। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों के स्थान पर अतिथि शिक्षकों के जरिए पढ़ाई कराई जाती है। प्रदेश में 76 हजार से अधिक अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं।

कैबिनेट ने चार बड़ी सिंचाई परियोजनाओं को वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। दतिया की मां रतनगढ़ बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना के लिए 1,608.02 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इससे 78,484 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करने का लक्ष्य है। नीमच की रामपुरा-मनासा सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिए 524 करोड़ 65 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इससे 65,400 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित की जा रही है। उज्जैन की कान्ह डायवर्सन क्लोज्ड डक्ट परियोजना के लिए 358 करोड़ 22 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसका उद्देश्य प्रदूषित कान्ह नदी के पानी को शिप्रा में मिलने से रोकना है। वहीं सागर की बंडा वृहद सिंचाई परियोजना के लिए 1,052 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इससे 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित करने का लक्ष्य है।

विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू वर्ग के छात्रावासों, आश्रमों और सामुदायिक कल्याण केंद्रों में रहने वालों को अब एक रुपये प्रति किलो की दर से खाद्यान्न दिया जाएगा। अभी इन संस्थानों में पांच रुपये प्रति किलो की दर से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता था।

दमोह-कटनी फोरलेन पर 4,470 करोड़ खर्च होंगे

कैबिनेट ने दमोह से कटनी के बीच 105.10 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर जीएसटी समेत 4,470 करोड़ 30 लाख रुपये खर्च होंगे। सड़क का निर्माण हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल पर किया जाएगा। सरकार के मुताबिक यह मार्ग बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के बीच कनेक्टिविटी मजबूत करेगा।

58 लाख बच्चों को गणवेश के लिए 600 रुपये डीबीटी

कक्षा एक से आठवीं तक के करीब 58 लाख विद्यार्थियों के लिए गणवेश उपलब्ध कराने की योजना में बदलाव किया गया है। गणवेश तैयार कराकर देने में हो रही देरी को देखते हुए सरकार ने अब प्रति गणवेश 600 रुपये सीधे अभिभावकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से देने का फैसला किया है। इस पर करीब 341 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अगले वर्ष बच्चों को बेहतर गुणवत्ता की गणवेश उपलब्ध कराने के लिए नई व्यवस्था पर विचार किया जाएगा।

सिंगरौली में 605 बिस्तरों का अस्पताल

सिंगरौली जिला अस्पताल की क्षमता बढ़ाकर 605 बिस्तर करने का फैसला लिया गया है। इसके लिए 372 करोड़ 12 लाख रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इसमें अतिरिक्त 155 बिस्तर बढ़ाने के साथ अस्पताल के आंतरिक-बाहरी विकास, बायोमेडिकल उपकरण और फर्नीचर समेत अन्य काम शामिल हैं। छिंदवाड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल और अन्य भवनों की लागत का भी पुनरीक्षण किया गया है। इसके लिए अब 953 करोड़ 69 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 3,113 करोड़

प्रदेश में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण से जुड़ी योजना को अगले पांच साल जारी रखने के लिए 3,113 करोड़ 27 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

103 पंचायत पदों के लिए हुआ मतदान सुसनेर में 15 मिनट रुकी वोटिंग



एक सत बुलेटिन, भोपाल

मध्य प्रदेश में पंचायत उपचुनाव के लिए मंगलवार को 103 पदों पर मतदान हुआ। वहीं, आगर-मालवा के सुसनेर में नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए भी वोटिंग कराई गई। इस तरह कुल 104 पदों के लिए मतदान हुआ। सुसनेर में भाजपा ने प्रदीप सोनी और कांग्रेस ने विष्णु पाटीदार को प्रत्याशी बनाया है। यहां वार्ड-7 स्थित मतदान केंद्र पर एग्ट को लेकर करीब 15 मिनट तक मतदान रुका रहा।

स्थानीय विधायक भैरों सिंह परिहार ने एग्ट के फर्जी होने का आरोप लगाया। मशीन से संबंधित जानकारी लिखित में उपलब्ध नहीं कराने पर उन्होंने आपत्ति जताई। विधायक के पास मौजूद पुरानी सूची और एग्ट के सीरियल नंबर में अंतर मिलने के बाद दोनों दलों के समर्थक मतदान केंद्र पर इकट्ठा हो गए।

विधायक ने मतदान केंद्र से तहसीलदार को फोन कर बिना सूचना एग्ट बदले जाने पर आपत्ति जताई। इस दौरान उन्होंने कहा, ह्यक्या तुम्हारे बाप का राज है? रायसेन और खरगोन में ग्रामीणों ने सड़क, श्मशान तक रास्ते और पुलिया की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया। इसके अलावा अन्य जगहों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। आगर मालवा जिले की सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद और पंचायत के उपचुनाव के लिए मतदान मंगलवार को सुबह 7 बजे से शुरू हुआ था। शाम 5 तक नगर परिषद के 15 वार्डों में 17 मतदान केंद्रों पर 75.96 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पेंटागन में साइबर अटैक

30 लाख से अधिक कर्मचारियों का गोपनीय डेटा हुआ चोरी



एजेन्सी, वॉशिंगटन

अमरीका में हैकर्स ने पेंटागन के 30 लाख से ज्यादा मौजूदा और पुराने कर्मचारियों का गोपनीय डेटा चुरा लिया है, जिसमें उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर और नौकरी संबंधी जानकारी शामिल हैं। एबीसी न्यूज ने एक अमरीकी सैन्य अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है। मिलिट्री टाइम्स अखबार ने पिछले हफ़्ते विभाग के निजी डेटा सेंटर में सेंधमारी की रिपोर्ट दी। यह सेंघमारी अक्टूबर 2025 और जुलाई 2026 के बीच हुई। अधिकारी ने कहा कि इस सेंधमारी से 27 लाख 60 हजार ज़िंदा लोग और 294,000 मृत लोग प्रभावित हुए। ब्रॉडकास्टर ने बताया कि सामने आई जानकारी का पैमाना संवेदनशीलता राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को बढ़ा सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि डेटा में सैन्य और असैन्य कर्मचारियों के पदों के बारे में जानकारी थीं। नेटवर्क के सूत्रों के मुताबिक अपराधी एफबीआई कर्मचारियों की निजी जानकारी जारी करने की धमकी दे रहे हैं।

एजेंसी को पता चला कि आधिकारिक नौकरी पोस्टिंग पोर्टल में सुरक्षा के सही तरीके नहीं थे।

भारत को एशियन गेम्स में छठा गोल्ड 4X400 मीटर विमेंस रिले रेस में सोना जीता, गुलवीर की हैट्रिक

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत ने 4X400 मीटर महिला रिले में 3 मिनट 29.69 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। यह भारत का एशियन गेम्स में छठा गोल्ड है। टीम ने लगातार छठी बार 50 मेडल का आंकड़ा भी पार किया। 2006 से भारत ने हर एशियन गेम्स में 50 या उससे ज्यादा मेडल जीते हैं।

गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में 13 मिनट 32.75 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीतकर मेडल की हैट्रिक पूरी की। इससे पहले वह 10 हजार और 1500 मीटर में सिल्वर जीत चुके हैं। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने। नीरू ढांडा ने विमेंस ट्रैप शूटिंग में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा। 10 दिन पहले फ्लू के कारण अस्पताल में भर्ती रहीं नीरू इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भारत ने एशियन गेम्स के 10वें दिन 8 मेडल जीते। टीम के कुल मेडल 53 हो गए हैं और मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है।



यह भारत का एशियन गेम्स 2026 में 5वां गोल्ड है। यह व्यक्तिगत स्पर्धा का पहला गोल्ड है। शूटर्स ने भारत को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया है। पहला गोल्ड पिस्टल शूटिंग के मिक्स्ड इवेंट में आया। इससे पहले 8 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल दिला चुके हैं। शूटिंग में अब तक 14 मेडल आ चुके हैं।

नीरू के कोच ने कहा- निशाने पर ध्यान लगाओ

10 दिन पहले जब नीरू फ्लू की वजह से हॉस्पिटल में एडमिट थीं, तो 5 दिनों तक कुछ खा-पी नहीं पाई थीं। तब उनके कोच मनशेर सिंह ने उन्हें बीमारी भुलाकर अपना सब कुछ झोंक देने के लिए प्रेरित किया था। जीत के बाद नीरू ने कहा, मनशेर सर ने बस यही कहा कि जो हुआ उसे भूल जाओ और निशाने पर ध्यान लगाओ, और मैंने वही किया।



उज्जैन शाही मस्जिद निर्माण विवाद

हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद फैसलाः तीन फीट हिस्सा और दुकान हटाने पर बनी सहमति

एक सत बुलेटिन, इंदौर

इंदौर हाईकोर्ट में उज्जैन की शाही मस्जिद से जुड़े निर्माण विवाद को लेकर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से विवाद का समाधान हो गया। इसके बाद न्यायालय ने समझौते की शर्तों को स्वीकार करते हुए याचिका का निराकरण कर दिया। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से विवादित निर्माण के करीब साढ़े 9 फीट हिस्से को हटाने की मांग की गई थी। निर्माण को लेकर विवाद सामने आने के बाद संबंधित पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

सुनवाई के दौरान क्या-क्या चर्चा हुई

सोमवार को सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच चर्चा हुई। पक्षकारों ने न्यायालय के समक्ष आपसी सहमति से विवाद का समाधान करने का प्रस्ताव रखा। चर्चा के बाद दोनों पक्ष एक समझौते पर पहुंचे। समझौते के तहत करीब तीन फीट विवादित हिस्से को हटाने और एक दुकान को तोड़े जाने पर सहमति बनी। सिंहस्थ 2028 को देखते हुए उज्जैन में सड़क और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए चौड़ीकरण समेत कई विकास कार्य किए जा रहे हैं। कंठाल से गोपाल मंदिर मार्ग भी इसी परियोजना का हिस्सा है। शाही मस्जिद के प्रभावित हिस्से को लेकर सहमति बनने के बाद अब प्रशासन और मस्जिद कमेटी की कोशिश है कि निर्माण हटाने की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो और सड़क चौड़ीकरण का काम आगे बढ़ सके। पुलिस ने सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो और अफवाह फैलाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ खाराकुआं थाने में मामला दर्ज किया है। इनमें साजिद खान, इमरान खान, गुलरेज खान, बिल्लू पठान और आरिफ पठान शामिल हैं। वहीं पथराव के मामले में खाराकुआं, कोतवाली और महाकाल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिलाल, तालू हेला, सलीम, नदीम, तौफिक, शाकिर, शाहनवाज, आर्षद दीवान, अल्तमस, अरबाज और वसीम मंसूरी समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।



दोनों पक्षों की सहमति

दोनों पक्षों की सहमति से तय शर्तों को न्यायालय के समक्ष रखा गया। कोर्ट ने समझौते की शर्तों को स्वीकार करते हुए याचिका का निराकरण कर दिया। अब संबंधित पक्ष समझौते के अनुसार विवादित हिस्से को हटाने और दुकान को तोड़ने की कार्रवाई करेंगे। मामले में शाही मस्जिद की ओर से अधिवक्ता कुलदीप पाठक ने पक्ष रखा। उन्होंने सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति और विवाद के समाधान की स्थिति से न्यायालय को अवगत कराया। मस्जिद के निर्माण से जुड़े हिस्से को लेकर स्थानीय स्तर पर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। इसी विवाद के चलते मामला हाई कोर्ट पहुंचा था। याचिका में करीब साढ़े 9 फीट निर्माण हटाने की मांग की गई थी, लेकिन सुनवाई के दौरान आपसी सहमति से करीब तीन फीट हिस्सा हटाने और एक दुकान तोड़ने पर सहमति बनी। अदालत द्वारा याचिका का निराकरण किए जाने के बाद अब समझौते के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अफवाहों से बिगड़ी थी स्थिति

इससे पहले सोशल मीडिया पर शाही मस्जिद को लेकर कई भ्रामक वीडियो और रील्स प्रसारित होने के बाद सोमवार को स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। सोशल मीडिया पर यह दावा किया गया कि प्रशासन बुलडोजर से मस्जिद को तोड़ रहा है, जबकि कमेटी के अनुसार प्रभावित हिस्सा सहमति के बाद स्वयं हटाया जा रहा था। इन अफवाहों के बाद टंकी चौक और अंडा गली क्षेत्र से कुछ लोग मस्जिद की ओर पहुंचने लगे और काम रुकवाने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा रोकने पर पथराव की घटना हुई। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले छोड़े।

कथित ऑडियो के बाद जांच तेज, परिजनों से सीधे फोन पर पूछताछ करेगा विभाग

आयुष्मान योजना में कथित गड़बड़ी का मामला, स्वास्थ्य महकमे में हलचल

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आयुष्मान भारत योजना के पात्र मरीजों को सरकारी अस्पतालों से निजी अस्पताल की ओर भेजे जाने और निशुल्क उपचार के नाम पर कथित तौर पर पैसे मांगने के आरोपों ने स्वास्थ्य विभाग में खलबली मचा दी है। मामले से जुड़ा कथित ऑडियो सामने आने के बाद विभाग ने अब जांच को अस्पताल के दस्तावेजों तक सीमित रखने के बजाय सीधे मरीजों और उनके परिजनों तक पहुंचाने का फैसला किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। जांच दल आशीष अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत उपचार करा चुके हितग्राहियों और उनके परिजनों से सीधे फोन पर संपर्क करेगा। उनसे यह जानकारी ली जाएगी कि सरकारी अस्पताल से निजी अस्पताल भेजने की प्रक्रिया कैसे हुई, उपचार के दौरान किसी ने पैसे की मांग की या नहीं और निशुल्क इलाज के नाम पर उन्हें किसी तरह का आर्थिक दबाव तो नहीं झेलना पड़ा। स्वास्थ्य विभाग अब अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत पंजीकृत हितग्राहियों का पूरा रिकॉर्ड खंगालने की तैयारी में है। विभागीय टीम मरीजों से व्यक्तिगत बातचीत कर यह जानने का प्रयास करेगी कि उन्हें किसके कहने पर निजी अस्पताल भेजा गया और उपचार के दौरान उन्हें किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। अधिकारियों का



मानना है कि मरीजों से सीधे और गोपनीय तरीके से मिली जानकारी जांच की अहम कड़ी साबित हो सकती है। इसी आधार पर कथित अनियमितता की वास्तविक स्थिति सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। जांच की प्रारंभिक कार्रवाई के तहत सोमवार को अस्पताल परिसर में पदस्थ आयुष्मान मित्र से पूछताछ की गई। संबंधित मरीज के दाखिले और उपचार से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की गई। अब अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत उपचार करा चुके सभी हितग्राहियों के रिकॉर्ड की बारीकी से पड़ताल की जाएगी।जांच दल यह भी देखेगा कि मरीजों को उपचार के दौरान किसी तरह की परेशानी हुई या उनसे योजना के तहत निशुल्क मिलने वाली सुविधाओं के बदले किसी प्रकार की राशि मांगी गई। मामले की जांच का दायरा सरकारी चिकित्सकों की भूमिका तक पहुंच गया है। आशीष अस्पताल में सेवाएं देने वाले शासकीय चिकित्सकों और डॉ. अंकुर बंसल सहित अन्य संबंधित चिकित्सकों की कार्यप्रणाली की भी पड़ताल की जा रही है। जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सरकारी अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक निजी अस्पताल में किस व्यवस्था के तहत सेवाएं दे रहे थे। विभाग इस बिंदु की भी जांच कर रहा है कि कहीं सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले आयुष्मान योजना के मरीजों को किसी विशेष कारण से निजी अस्पताल की ओर तो नहीं भेजा जा रहा था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी ने कहा है कि कथित ऑडियो के सामने आने के बाद मामले के प्रत्येक पहलू की जांच की जाएगी। विभाग हितग्राहियों से सीधे संपर्क कर वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास कर रहा है। यदि जांच में किसी मरीज से अनुचित राशि मांगने, योजना के दुरुपयोग या अन्य किसी प्रकार की अनियमितता की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।अब सवाल सिर्फ एक कथित ऑडियो का नहीं, बल्कि यह पता लगाने का है कि आयुष्मान योजना के नाम पर सरकारी अस्पताल से निजी अस्पताल तक मरीजों को पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया के पीछे कौन-कौन लोग सक्रिय थे। विभाग की जांच में सामने आने वाले मरीजों के बयान और दस्तावेज इस पूरे मामले की दिशा तय कर सकते हैं।

छात्र-छात्राओं ने मांगा मृत सहपाठी के लिए न्याय, गणेश पंडाल में करंट फैलने से हुई थी स्कूली छात्र की मौत

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

धनवंती नगर के एक गणेश पंडाल में करंट लगने से हुई स्कूली छात्र की मौत के मामले में मंगलवार को बड़ी संख्या में उसके सहपाठी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। छात्र-छात्राओं ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष जाखड़ को हस्ताक्षरित ज्ञापन सोपा। ज्ञापन के माध्यम से छात्र की मौत के मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। यह भी कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं होती है तो वह उग्र आंदोलन करेंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जाखड़ ने मामले की निष्पक्ष जांच पर उचित कार्रवाई का



आश्वासन दिया है।.जसूजा सिटी फेज 3 निवासी 16 वर्षीय शौर्य चनपुरिया के घर के पास गणेश पंडाल है। बुधवार को शौर्य आरती में शामिल होने पंडाल गए थे। आरती खत्म होने के बाद वह लौट रहा था। उसे तभी पंडाल के पोल से करंट लग गया। उसे तत्काल मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। जहां परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया गया। ज्ञापन सौपने के दौरान शहद गुरनानी, दिव्यांश सिंह, .भव्या मंधवानी, अनंत शिवहरे, सूर्यांश गुप्ता, शौर्य दुबे, पर्व अग्रवाल, निमिष ताम्रकार, भाग्यशाली अरजानी, अथर्व गुप्ता, यश ठाकुर,राज, अथर्व यादव,अनंत मिश्रा , सात्विक दुबे , देवांश जैन , अमन तिवारी ,विनय तिवारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया कि शौर्य की मौत को कई दिन भी चुके हैं इसके बावजूद धनवंती नगर पुलिस अब तक ना मामले में जांच पूरी कर सकी है और ना ही दोषियों पर अब तक किसी प्रकार की एफआईआर दर्ज की गई है।

अखिलेश जैन बने भाजपा ट्रस्ट समिति के संयोजक राजेश मिश्रा बने समिति के सदस्य



जबलपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने भाजपा ट्रस्ट समिति की घोषणा की है, जिसमें 3 सदस्यीय समिति में प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन को संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा को सदस्य नियुक्त किया है, साथ ही राघवेंद्र गौतम भी समिति में सदस्य नियुक्त किए गए हैं। नवनियुक्त संयोजक एवं सदस्यों को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्य सभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कान्त साहू, प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवालिया के साथ जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओ ने शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

निगमायुक्त ने सौंदर्यीकरण कार्यों का किया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के प्रमुख जलस्त्रोतों में शामिल अधारताल तालाब के आसपास का क्षेत्र अब हरियाली और गार्डेनिंग से संवारा जाएगा। नगर निगम तालाब किनारे खाली पड़ी भूमि को सुनियोजित तरीके से विकसित करने की तैयारी में है। यहां सघन पौधरोपण के साथ गार्डेनिंग कर परिसर को आकर्षक और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाया जाएगा।नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधारताल तालाब परिसर का निरीक्षण कर चल रहे सौंदर्यीकरण और अधोसंरचना विकास कार्यों की स्थिति देखी। उन्होंने तालाब किनारे की पिचिंग, पेवर ब्लॉक, गार्डेनिंग और पौधरोपण के कार्यों की गुणवत्ता का मौके पर निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप और



गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या गुणवत्ता संबंधी शिकायत सामने आने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने तालाब के आसपास मौजूद खाली भूमि का बेहतर उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में व्यवस्थित गार्डेनिंग के साथ सघन पौधरोपण कराया जाए, जिससे पूरा तालाब परिसर हराभरा और आकर्षक नजर आए। इससे स्थानीय लोगों को भी घूमने और कुछ समय विश्राम करने के लिए बेहतर वातावरण मिल सकेगा।

सत्रह मंजिला इमारत के सामने कचरे के ढेर से उठ रही है दुर्गंध, सुबह घूमने निकलने वालों की बढ़ी परेशानी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर की चर्चित सत्रह मंजिला इमारत के सामने इन दिनों स्वच्छता व्यवस्था की तस्वीर सवाल खड़े कर रही है। विजय नगर स्थित परोहा डेवलपर्स की विजन जबलपुर बिल्डिंग के सामने बड़ी मात्रा में कचरा और निर्माण मलबा जमा होने से पूरा क्षेत्र मानो अघोषित कचरा डंपिंग जोन में तब्दील हो गया है। सड़क किनारे खुले में फैला कचरा और जगह-जगह जमा मलबा न केवल आसपास का दृश्य बिगाड़ रहा है, बल्कि इससे उठने वाली दुर्गंध भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। सुबह के समय यहां से गुजरने वाले और टहलने निकलने वाले लोगों को कचरे के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। क्षेत्र में जिस तरह कचरा और मलबा खुले में जमा है, उससे यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर यहां नियमित सफाई और कचरा उठाने की व्यवस्था कहां है। यदि यह कचरा लगातार लोग फेंक रहे हैं तो उन्हें रोकने और निगरानी की व्यवस्था क्यों नहीं



की जा रही। वहीं यदि यह निर्माण मलबा है तो उसे निर्धारित स्थान पर हटाने की कार्रवाई क्यों नहीं हुई।
आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। सुबह घूमने निकलने वाले नागरिकों का कहना है कि स्वच्छ और खुले वातावरण में सैर करने के बजाय उन्हें कचरे और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। शहर में स्वच्छता को लेकर नगर निगम की ओर से लगातार अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन सत्रह मंजिला जैसे प्रमुख और व्यस्त क्षेत्र के सामने कचरे का यह ढेर व्यवस्था की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर रहा है।स्थानीय लोगों की मांग है कि नगर निगम तत्काल मौके का निरीक्षण कर कचरा और मलबा हटाए तथा दोबारा यहां कचरा न फेंका जाए, इसके लिए निगरानी और कार्रवाई की व्यवस्था करे। सवाल यह है कि प्रमुख सड़क और चर्चित इमारत के सामने बना यह अघोषित डंपिंग जोन आखिर कब साफ होगा और यहां स्थायी समाधान कब दिखाई देगा?

निगमीकरण के विरोध में कर्मचारी 1 अक्टूबर को लगाएंगे काला बैज

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आयुध निर्माणियों के निगमीकरण के विरोध में जीसीएफ के कर्मचारी 1 अक्टूबर को काला बैज लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ ऑर्डिनेंस एम्प्लॉइज के आह्वान पर होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न कर्मचारी एवं अधिकारी संगठन शामिल होंगे। आयुध निर्माणियों के कर्मचारियों के अनुसार, 1 अक्टूबर 2021 को देश की 41 आयुध निर्माणियों को सात नवगठित निगमों में विभाजित किया गया था। सरकार इस दिन को स्थापना दिवस के रूप में मनाती है, जबकि कर्मचारी संगठन निगमीकरण के फैसले का लगातार विरोध करते रहे हैं। इसी विरोध के तहत कर्मचारियों ने सरकारी स्तर पर मनाए जाने वाले 1 अक्टूबर के स्थापना दिवस का बहिष्कार करने और 18 मार्च को आयुध निर्माणियों का वास्तविक स्थापना दिवस मानने का निर्णय लिया है। कर्मचारी संगठनों की ओर से हर वर्ष 1 अक्टूबर को



निगमीकरण के विरोध में देशभर की आयुध निर्माणियों में प्रदर्शन किया जाता है। मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास ने बताया कि इसी सिलसिले में जीसीएफ ब्रांच में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक हुई। काला बैज धारण कर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन, अधिकारी एसोसिएशन सहित यूनाइटेड फोरम से जुड़े अन्य संगठनों की भागीदारी रहेगी।कर्मचारी संगठनों का कहना है कि प्रदर्शन के जरिए निगमीकरण के निर्णय के प्रति विरोध दर्ज कराने के साथ आयुध निर्माणियों की ऐतिहासिक पहचान और सार्वजनिक क्षेत्र में उनकी भूमिका को रेखांकित किया जाएगा।

विद्युत वितरण कंपनी ने 75 कार्मिकों के उच्च वेतनमान के आदेश जारी किए

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

म.प्र. पूर्व क्षेत्र कंपनी ने अपने 75 कार्मिकों के उच्च वेतनमान के आदेश जारी किए हैं। मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय से जारी आदेशानुसार 09 वर्षीय विकल्प नियम के तहत उच्च वेतनमान का लाभ 01 कार्यपालन अभियंता, 01 उपनिदेशक, 03 सहायक अभियंताओं, 01 प्रबंधक एवं 03 कनिष्ठ अभियंताओं को दिया गया । 18 वर्षीय विकल्प नियम के तहत उच्च वेतनमान का लाभ 01 प्रबंधक, 25 वर्षीय विकल्प नियम के तहत उच्च वेतनमान का लाभ 01



अनुभाग अधिकारी तथा 30 वर्षीय विकल्प नियम के तहत उच्च वेतनमान का लाभ 02 कार्यपालन अभियंताओं को दिया गया । 35 वर्षीय विकल्प नियम के तहत उच्च वेतनमान का लाभ 01 अधीक्षण अभियंता, 51 कार्यालय सहायकों, 09 परीक्षण सहायकों एवं 01 रेखण कार्यालय सहायक श्रेणी-एक को दिया गया ।

आईपीपीबी के सहयोग से 4 दिवसीय शिविर प्रारंभ

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का अधिवक्ताओं के लिए विशेष प्रयास

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। बार एसोसिएशन ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के सहयोग से अधिवक्ताओं के लिए चार दिवसीय विशेष शिविर शुरू किया है, जो 1 अक्टूबर तक चलेगा। शिविर में वकीलों को दुर्घटना बीमा और मेडिकल क्लेम सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी और लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। शिविर का



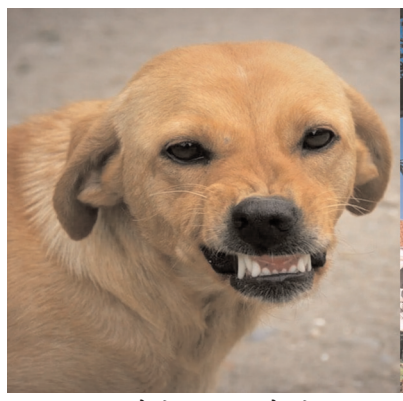
उद्घाटन मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के प्रशासनिक न्यायमूर्ति जस्टिस विवेक रूसिया ने जस्टिस विवेक अग्रवाल, जस्टिस विवेक जैन और जस्टिस अमित लाहोटी की उपस्थिति में किया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह ने कहा कि व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण अधिवक्ता अक्सर जनोपयोगी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं, ऐसे में यह शिविर उनके लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य अधिवक्ताओं को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना और उन्हें बीमा व स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ दिलाना है। शिविर में 755 रुपये वार्षिक प्रीमियम वाली दुर्घटना बीमा योजना ने अधिवक्ताओं का विशेष ध्यान खींचा, जिसमें विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं को कवर किया जाता है। इसके अलावा 17 लाख रुपये के मेडिकल क्लेम कवरेज वाली योजना की जानकारी भी दी जा रही है, जिसका वार्षिक प्रीमियम 2 हजार 598 रुपये निर्धारित है और इसमें 24 घंटे से अधिक की बीमारी पर कवरेज का प्रावधान है। इच्छुक अधिवक्ता शिविर में योजनाओं की शर्तों और पात्रता संबंधी जानकारी ले सकते हैं।

आवारा कुत्तों के आतंक पर हाईकोर्ट सख्त

नसबंदी-टीकाकरण का सरकार ने दिया ब्योरा, 3 नवंबर को होगी अगली सुनवाई

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या और सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से उठाए गए कदमों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दर्ज स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सोमवार को चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 3 नवंबर को दोपहर 2:30 बजे निर्धारित की है। हाईकोर्ट की समीक्षा के बाद मामले में रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी। शीर्ष अदालत में इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को प्रस्तावित है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अदालत मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रायन डिसिल्वा और अधिवक्ता सरबवीर सिंह ओबेराय से राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट पर सुझाव मांगे। वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रायन डिसिल्वा ने सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को संतोषजनक बताया। इसके बाद डिवीजन बेंच ने रिपोर्ट पर विस्तृत विचार के लिए 3 नवंबर की तारीख तय करते हुए कहा कि उस दिन आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। आवारा कुत्तों



की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त 2025 और 7 नवंबर 2025 को



विभिन्न निर्देश जारी किए थे। इसके बाद 19 मई 2026 को शीर्ष अदालत ने देश के सभी हाईकोर्ट को इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका दर्ज करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों की समस्या का ठोस समाधान होने तक मामलों की निगरानी जारी रखने को कहा था। इसी के तहत मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका दर्ज की और राज्य सरकार से कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण, रोकथाम तथा सार्वजनिक परिसरों की सुरक्षा के संबंध में उठाए गए कदमों का विवरण मांगा था। राज्य के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल की ओर से हाईकोर्ट में प्रस्तुत जवाब में सरकार ने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए किए गए प्रयासों का ब्योरा दिया है। सरकार के अनुसार, पिछले छह महीनों में प्रदेश में 15 हजार से अधिक आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया गया है। जवाब में सार्वजनिक परिसरों को आवारा कुत्तों से मुक्त रखने और नियमित निगरानी के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी भी दी गई है। अब 3 नवंबर की सुनवाई में हाईकोर्ट सरकार की रिपोर्ट और उठाए गए कदमों की समीक्षा करेगा। इसके बाद मामले में आगे के निर्देश तय किए जाएंगे और रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

सराफा में 17 सेकंड में सोने के टॉप्स चोरी:ग्राहक बनकर आईं महिलाएं

ग्वालियर। सराफा बाजार में ग्राहक बनकर पहुंचीं दो महिलाओं ने दिव्यांश ज्वेलर्स से 1.30 लाख रुपए कीमत के सोने के टॉप्स चोरी कर लिए। वारदात महज 17 सेकंड में हुई। दोनों महिलाएं एक छोटे बच्चे के साथ दुकान में आई थीं।उन्होंने दुकानदार से सोने के टॉप्स दिखाने को कहा और दुकानदार का ध्यान हटते ही एक महिला ने करीब 5 ग्राम वजनी टॉप्स उठाकर साड़ी में छिपा लिया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।कोतवाली थाना क्षेत्र के सराफा बाजार बाड़ा में व्यापारी अमित सोनी की दिव्यांश ज्वेलर्स नाम से दुकान है। सोमवार को दो महिलाएं बच्चे के साथ ग्राहक बनकर पहुंचीं। उन्होंने सोने के टॉप्स दिखाने को कहा। अमित सोनी उन्हें अन्य सामान दिखाने में व्यस्त थे, तभी एक महिला ने नजर बचाकर टॉप्स उठा लिया। इसके बाद दोनों महिलाएं बिना खरीदारी किए दुकान से निकल गईं।महिलाओं के जाने के बाद अमित सोनी ने जेवरों का वजन और रिकॉर्ड मिलाया तो एक टॉप्स कम मिला। सीसीटीवी फुटेज देखने पर महिला के गहना उठाकर साड़ी में छिपाने की पूरी घटना सामने आ गई।चोरी का पता चलते ही अमित सोनी महिलाओं की तलाश में महाराज बाड़ा और गांधी मार्केट की तरफ गए, लेकिन तब तक दोनों भीड़ में गायब हो चुकी थीं।

परीक्षा देकर निकले छात्र को वाहन ने कुचला, मौत:झांसी-ग्वालियर हाईवे पर सड़क पार करते समय हादसा

ग्वालियर। झांसी-ग्वालियर हाईवे पर सोमवार शाम सड़क दुर्घटना में यूनिवर्सिटी के फर्स्ट सेमेस्टर के 20 वर्षीय छात्र अमित राजपूत की मौत हो गई। परीक्षा देने के बाद यूनिवर्सिटी के सामने सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी और भाग गया। गंभीर रूप से घायल अमित को राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि छात्र को टक्कर मारने वाला वाहन डंपर हो सकता है। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर मुरैना रवाना हो गए।अमित राजपूत पुत्र बंटी राजपूत मुरैना के महाराजपुरा गांव का रहने वाला था। उसके पिता किसान हैं। अमित परिवार का इकलौता बेटा था। पिता ने बेहतर भविष्य के लिए उसका दाखिला ग्वालियर की ढूंझरूयूनिवर्सिटी में कराया था। उनका सपना था कि बेटा उच्च शिक्षा लेकर मल्टीनेशनल कंपनी में बड़ा अधिकारी बने।अमित रोज मुरैना से ग्वालियर पढ़ाई के लिए अप-डाउन करता था। सोमवार को उसका बुक फर्स्ट सेमेस्टर का पेपर था। शाम को परीक्षा खत्म होने के बाद वह घर लौटने के लिए यूनिवर्सिटी के बाहर सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

सात साल से गैरेज में खड़ी फायर रेस्क्यू मशीन:4.98 करोड़ की मशीन को चलाने वाला स्टाफ नहीं

ग्वालियर। ग्वालियर में ऊंची इमारतों में आग या बड़े हादसे के दौरान लोगों को बचाने के लिए खरीदी गई 4.98 करोड़ रुपए की हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म फायर रेस्क्यू मशीन पिछले करीब सात साल से अपेक्षित उपयोग में नहीं आ पा रही है। 52 मीटर ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम यह मशीन फिलहाल फायर विभाग के गैरेज में खड़ी है, लेकिन इसे चलाने के लिए पर्याप्त ड्राइवर और प्रशिक्षित ऑपरेटर उपलब्ध नहीं हैं। नगर निगम ने मशीन की खरीद 2019 में की थी। इसके संचालन के लिए तीन शिफ्ट में तीन ड्राइवर और तीन प्रशिक्षित ऑपरेटर की जरूरत है। इसके अलावा फायरमैन और सहायक स्टाफ भी जरूरी है। निगम अब तक नियमित स्टाफ की व्यवस्था नहीं कर पाया है। ऐसे में जिस मशीन को आपदा के समय तत्काल रेस्क्यू के लिए खरीदा गया था, उसका उपयोग सीमित रह गया है। मशीन का वर्क ऑर्डर फरवरी 2018 में जारी हुआ था और 23 दिसंबर 2019 को निगम ने इसे संबंधित एजेंसी से प्राप्त किया। खरीद के समय ही इसके संचालन के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की जरूरत तय थी। निगम के अनुसार, शुरुआत में कुछ कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया था, लेकिन बाद में हुए हादसे के बाद संचालन व्यवस्था बदलनी पड़ी। 14 अगस्त 2021 को महाराज बाड़े पर हुए हादसे में क्रेन का जॉब और ट्रॉली टूटने से निगम के तीन कर्मचारियों की मौत हो गई थी। इसके बाद मशीन को मरम्मत के लिए नोएडा भेजा गया।

ग्वालियर में उर्स के दौरान सिंधिया ने निभाई पुरानी परंपरा

बाबा मंसूर अली शाह के उर्स में पहुंचे ज्योतिरादित्य सिंधिया, 300 साल पुरानी परंपरा में हुए शामिल

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।





केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में ग्वालियर के गोरखी स्थित देवघर पहुंचकर बाबा मंसूर अली शाह के सालाना उर्स में हिस्सा लिया और लगभग 300 साल पुरानी चली आ रही परंपरा का निर्वहन किया। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक रूप से बाबा की आराधना की, जिसकी तस्वीरें और विवरण चर्चा का विषय बने हुए हैं।केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर पहुंचकर गोरखी स्थित देवघर में बाबा मंसूर अली शाह के सालाना उर्स में पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना की। सिंधिया परिवार के मुखिया के रूप में बाबा की आराधना करने की यह परंपरा करीब 300 साल पुरानी बताई जाती है। खास बात यह है कि यहां बाबा की पूजा हिंदू और मुस्लिम, दोनों पद्धतियों के अनुरूप की जाती है ग्वालियर के सिंधिया परिवार और बाबा मंसूर अली शाह के बीच की यह आस्था करीब तीन सदियों पुरानी है। इस स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां बाबा की पूजा हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों की पद्धतियों के अनुसार संयुक्त रूप से की जाती है। सिंधिया परिवार के मुखिया के रूप में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाया है। शिवलिंग और चादर का अनूठा संगम देवघर पहुंचने के बाद सबसे पहले बाबा के सम्मान में एक चादर बिछाई गई। इसके ठीक ऊपर करीब 4 से 5 फीट की ऊंचाई पर फूलों से एक भव्य शिवलिंग तैयार किया गया। परंपरा के अनुसार, सिंधिया परिवार की तरफ से उस शिवलिंग को आदरस्वरूप पगड़ी पहनाई गई, जिसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया उनके सामने आराधना में लीन हो गए। पुष्प गिरने के बाद पूरी हुई एक घंटे की आराधना इस विशेष पूजा की सबसे दिलचस्प बात इसकी अवधि तय न होना है। परंपरा के मुताबिक, पूजा तब तक चलती है जब तक ऊपर बने शिवलिंग से एक पुष्प अपने आप नीचे बिछाई गई चादर पर नहीं आ गिरता। इसे बाबा द्वारा पूजा स्वीकार करने और अपना आशीर्वाद प्रदान करने का प्रतीक माना जाता है। इस बार करीब एक घंटे तक आराधना करने के बाद जैसे ही शिवलिंग से एक पुष्प चादर पर गिरा, पूजा संपन्न हुई और केंद्रीय मंत्री वहां से रवाना हो गए। सिंधिया परिवार के करीबी रहे बाल खांडे के अनुसार, बाबा मंसूर अली शाह को सिंधिया परिवार का कुलगुरु और मार्गदर्शक माना जाता है। हर साल आयोजित होने वाले इस उर्स में परिवार के मुखिया का शामिल होना अनिवार्य परंपरा का हिस्सा है। यह आयोजन ग्वालियर की उस गंगा-जमुनी तहज़ीब और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, जहां सदियों से धार्मिक सद्भाव की अनूठी मिसाल देखने को मिलती है।

ग्वालियर संग्रहालय में शुरू होगा कायाकल्प, 1.5 करोड़ की लागत से 7 गैलरियां होंगी विकसित

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मोतीमहल स्थित नगर निगम संग्रहालय को संवारने के लिए इंजीनियरों व इंटेक से अधूरा एस्टीमेट तैयार हो गया। एस्टीमेट में अधिकतर काम पुरानी बिल्डिंग के जीर्णोद्धार और आर्टिफेक्ट के डाक्यूमेंटेशन पर केंद्रित हो गया।ये काम पूरा होने के बाद जब आर्टिफेक्ट को प्रदर्शित करने की बारी आई, तो पता चला कि एस्टीमेट में गैलरियों को तैयार करने की राशि ही शामिल नहीं थी। बिना गैलरियां तैयार किए म्यूजियम में रखी कलाकृतियों को प्रदर्शित करना संभव ही नहीं है। मूल रूप से गैलरियों में शोकेस तैयार के साथ ही फर्नीचर आदि भी बनाना है। ऐसे में अब मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) से स्वीकृति लेकर डेढ़ करोड़ रुपये की राशि का नया एस्टीमेट तैयार किया गया है। इस राशि से म्यूजियम में सात गैलरियां विकसित की जाएंगी। प्रस्तावित परियोजना के तहत संग्रहालय को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय मानकों के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। संग्रहालय की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए उसकी सभी सात गैलरियों को आकर्षक, वैज्ञानिक और इंटरएक्टिव स्वरूप दिया जाएगा। परियोजना में 36 विभिन्न श्रेणियों के दुर्लभ संग्रहों को आगंतुकों के लिए अधिक व्यवस्थित और रोचक बनाया जाएगा। संग्रहालय में संरक्षित प्रागैतिहासिक अवशेष, प्राकृतिक इतिहास, ललित कला, शस्त्र, सिक्के, परिवहन, वन्यजीव, पक्षी, तितलियां और अन्य ऐतिहासिक संग्रहों को अलग-अलग थीम आधारित गैलरियों में विकसित किया जाएगा संग्रहालय के भीतर आवाजाही को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए नए सर्कुलेशन प्लान तैयार किए गए हैं। गैलरियों का ऐसा लेआउट प्रस्तावित है, जिससे दर्शक बिना किसी भ्रम के पूरे संग्रहालय का भ्रमण कर सकेंगे।

ग्वालियर के जेएएच में एक दिन में पहुंचे 3875 मरीज, मेडिसीन विभाग में सबसे ज्यादा भीड़

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



रविवार को दो घंटे की ओपीडी के बाद सोमवार को जया आरोग्य अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़ उमड़ी। विभिन्न विभागों में कुल 3875 मरीजों ने उपचार और परामर्श लिया। सबसे अधिक दबाव मेडिसिन विभाग पर रहा, जहां 746 मरीज पहुंचे। इसके बाद त्वचा रोग विभाग में 377, न्यूरोलॉजी-न्यूरोसर्जरी में 362 और आर्थोपेडिक विभाग में 307 मरीजों की ओपीडी दर्ज की गई। अस्पताल की ओपीडी आंकड़ों के अनुसार, मेडिसिन विभाग में 666 नए और 80 पुराने मरीज पहुंचे। सर्जरी विभाग में 197, ईएनटी में 247, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 270 तथा बाल रोग विभाग में 190 मरीजों का उपचार किया गया। हृदय रोग विभाग में 87 मरीज पहुंचे, जबकि कैंसर विभाग में 118 और मनोरोग विभाग में 144 मरीजों ने परामर्श लिया। फिजियोथेरेपी विभाग में 133, नेत्र रोग विभाग में 121 तथा चेस्ट टीबी विभाग में 112 मरीज दर्ज किए गए। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, मौसम में बदलाव और वायरल संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के कारण मेडिसिन, त्वचा रोग और न्यूरोलॉजी विभागों में मरीजों की संख्या अधिक रही। सुबह से ही पंजीयन काउंटरों और विभिन्न विभागों के बाहर मरीजों की लंबी कतारें देखी गईं। बढ़ते संक्रमण और मौसमी बीमारियों के प्रकोप के कारण सुबह से ही अस्पताल के पंजीयन काउंटरों और विभिन्न ओपीडी विभागों के बाहर मरीजों व उनके परिजनों की लंबी-लंबी कतारें नजर आईं। इलाज के लिए पहुंचे लोगों को अपनी बारी का काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

मध्यप्रदेश की जेलों में कैदी घर से मंगवा सकेंगे खाने की चीजें, एआई के जरिए होगी निगरानी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मध्य प्रदेश के जेल महानिदेशक डॉक्टर वरुण कपूर सोमवार को ग्वालियर केंद्रीय जेल के दौरे पर पहुंचे। जेल परिसर पहुंचने पर उन्हें जेल पुलिस की टुकड़ी ने सलामी दी। पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉक्टर कपूर ने जेल सुधारों की कई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक लागू करने का प्रस्ताव है। लगभग आठ करोड़ रुपये की इस योजना के तहत दाल की गुणवत्ता से लेकर रोटी और सब्जी के पकने तक की ऑनलाइन निगरानी सीधे मुख्यालय से की जाएगी। देश में इस तरह का यह पहला प्रयोग होगा। जेल अधीक्षक और वरिष्ठ अधिकारियों ने गुलदस्ता भेंटकर उनकी अगवानी की। महानिदेशक ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और परेड की सलामी ली। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से बने नए आवासीय खंड का लोकार्पण किया। इसके शुरू होने से जेल में 160 अतिरिक्त बंदियों को रखने की जगह मिलेगी, जिससे क्षमता से अधिक कैदियों के दबाव से राहत मिलेगी। उन्होंने बैरकों का दौरा कर कैदियों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। कैदियों द्वारा पैरोल में आ रही अड़चनों का मुद्दा उठाए जाने पर उन्होंने जल्द से जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। जेल महानिदेशक ने बताया कि प्रदेश की सभी जेलों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए दो करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है और काम शुरू हो गया है।

घर से वस्तुएं मंगा सकेंगे कैदी

इसके अलावा, वर्ष 2016 की भोपाल जेल घटना के बाद बंद की गई घर से खाना मंगवाने की सुविधा को लगभग एक दशक बाद सभी उप-जेलों में फिर से बहाल कर दिया गया है।अब बंदी हर 15 दिन में अपने घर से अचार, नमकीन जैसी तय खाद्य वस्तुएं मंगवा सकेंगे।

सड़क पर दौड़ती कार बनी आग का गोला, बोनट में भड़की आग की लपटें, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर के व्यस्त माने जाने वाले सिटी सेंटर इलाके में रात एक चलती हुई कार अचानक आग के गोले में तब्दील हो गई। वाहन के बोनट से भीषण लपटें उठती देख चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोकी और कूदकर अपनी जान बचाई। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात कार (क्रमांक स्क्क 07 ष्टत्र 6076) आनंद मार्ट के पास से गुजर रही थी, तभी उसके बोनट से अचानक धुआं और तेज लपटें निकलने लगीं। कार में आग लगते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए वहां का यातायात भी प्रभावित हो गया। घटना को देख राहगीर और आसपास के लोग तुरंत दूर हट गए। इसी दौरान पास ही स्थित आनंद मार्ट के एक कर्मचारी ने साहस का परिचय देते हुए दुकान से अग्निशामक यंत्र निकाला और तेजी से जलती हुई कार की तरफ बढ़ा। उसने यंत्र की मदद से आग पर पानी की तरह बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद उसने आग की विकराल लपटों पर काबू पा लिया, जिससे पूरी कार जलने से बच गई। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि कार के इंजन में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से यह आग लगी। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी।

मध्यप्रदेश में मानसून की विदाई के संकेत, अगले 4 दिन बारिश से राहत

4 दिन बारिश पर ब्रेक, कई शहरों में तेज धूप, कई जिलों से विदाई के संकेत

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मध्य प्रदेश में मानसून अब वापसी की राह पर है। प्रदेश में अगले चार दिन किसी सक्रिय मानसूनी तंत्र के नहीं बनने से बारिश का दौर कमजोर पड़ने और कई इलाकों में तेज धूप निकलने के आसार हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में इसका असर अधिक देखने को मिल सकता है। बुधवार-गुरुवार से दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रदेश से विदाई शुरू होने के संकेत हैं। सबसे पहले उज्जैन और ग्वालियर संभाग से मानसून लौट सकता है। मौसम केंद्र के अनुसार, मंगलवार को बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में तेज धूप रहने की संभावना है। अन्य जिलों में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। बुधवार से प्रदेश के बड़े हिस्से में धूप तेज होने लगेगी। 2 अक्टूबर तक अधिकांश इलाकों में मौसम साफ और धूप वाला रहने का अनुमान है। मानसून की विदाई की उल्टी गिनती शुरू प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून का सामान्य समय 1 जून से 30 सितंबर तक माना जाता है। अब मानसून की विदाई का समय नजदीक है। राजस्थान और पंजाब के कई हिस्सों से मानसून लौट चुका है, जबकि वापसी की रेखा मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्से तक पहुंच गई है। इसके चलते उज्जैन और ग्वालियर संभाग से सबसे पहले मानसून की विदाई होने के संकेत मिल रहे हैं।



बारिश के आंकड़ों में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच अंतर साफ नजर आ रहा है। जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में औसत से करीब 4 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। हालांकि बालाघाट, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, रीवा, सागर और सिवनी में 2 से 20 प्रतिशत तक बारिश कम रही। पश्चिमी हिस्से के कई जिलों में कमी ज्यादा है। आलीराजपुर, अशोकनगर, बड़वानी, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 9 से 51 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है। अनूपपुर, छतरपुर, डिंडौरी, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, आगर-मालवा, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, श्योपुर और शिवपुरी में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इसके बावजूद पूरे प्रदेश में सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा होने की संभावना कम है। इस बार मानसून के शुरुआती महीने में बारिश ने प्रदेश को निराश किया। जून में सामान्य से 14 प्रतिशत कम पानी गिरा। जुलाई की शुरुआत में अच्छी बारिश से स्थिति सुधरी, लेकिन बाद में मानसून के दो ब्रेक आए। कई दिनों तक बारिश नहीं होने से कमी फिर बढ़ी।मानसून के आखिरी सप्ताह में सक्रिय हुए मजबूत सिस्टम से बारिश का दौर दोबारा तेज हुआ। जुलाई और अगस्त में बारिश का आंकड़ा सामान्य स्तर तक पहुंच गया, लेकिन जून की कमी पूरी नहीं हो सकी। यही वजह है कि अब तक प्रदेश में कुल बारिश सामान्य से करीब 4 प्रतिशत कम है।

संपादकीय

मंत्री मारे थप्पड़

यह लोकतंत्र है या कोई गुंडा-मवाली राज है? क्या कोई मंत्री, जनता के बीच, शिकायतों के माहौल में, किसी युवक को सरेआम थप्पड़ मार सकता है? क्या कोई राजनीतिक कार्यकर्ता मंत्री के सामने, मंत्री के परिवार को, गालियां देने का दुस्साहस कर सकता है? दिल्ली सरकार के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने आवेश में आकर एक युवक को थप्पड़ मारा है। यह संज्ञेय और दंडनीय अपराध है, लेकिन चौतरफा राजनीतिक दबाव के बाद पुलिस ने शिकायत तो दर्ज की है, लेकिन वह ह्यगैर-संज्ञेय अपराध सूचनाह्न (एनसीआर) ही है, जो महज खानापूर्ति है। आम आदमी पार्टी (आप) के जिस विधायक जरनैल सिंह ने सडक निर्माण में भ्रष्टाचार की परतें उखाड़ कर मंत्री जी के सामने सब कुछ बेपरदा कर दिया था, उनके खिलाफ भी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मंत्री ने विधायक पर ही 50 लाख रुपए की ह्यकमीशनह्न मांगने का आरोप चस्पां कर दिया है और विभाग के इंजीनियर से पुलिस में भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज कराई है। सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। वह प्राथमिकी है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। मंत्री प्रवेश वर्मा की सफाई है कि जब इंजीनियर और ठेकेदार ने ह्यघूसह्न देने से साफ इंकार कर दिया, तो ह्यआपह्न विधायक ने सडक उखाड़ कर साबित करने की कोशिश की कि देश की राजधानी दिल्ली में सडकों का निर्माण और उनकी गुणवत्ता ह्यखस्ताहालह्न है। मंत्री जी! आप झूठ बयां कर रहे हैं। राजधानी दिल्ली में मॉनसून की बारिश सारी पोल खोल देती है। सडकों की गुणवत्ता ही ह्यखस्ताहालह्न नहीं है, बल्कि गहरे, खुले गड्ढे भी हैं, जो ह्यमौत के कुएंह्न साबित हो रहे हैं। और फिर विधायक जरनैल सिंह ने अपने हाथों से सडक के टुकड़े उखाड़ कर मंत्री के सामने रखे थे,उन पर संबद्ध अधिकारियों और ठेकेदार को तलब क्यों नहीं किया गया? इंजीनियर को तुरंत निलंबित क्यों नहीं किया गया? विधायक ने तो काले, कुरूप सच को नंगा कर दिया था। क्या दिल्ली सरकार ऐसे ठेकेदारों को भी संरक्षण दे रही है? बहरहाल विधायक के सहयोगी युवक ने ह्यउखड़ी सडकह्न का वीडियो बनाया, तो उसे थप्पड़ रसीद कर दिया गया! क्या नए भारत की, नई भाजपा की, यही नई संस्कृति और राजनीति है? दरअसल प्रवेश वर्मा की फितरत और व्यवहार ही ऐसा है।

जब वह यमुना के पानी और सफेद झाग वाले प्रदूषण का मुआयना करने गए थे, तब उन्होंने एक आला अधिकारी को, सभी के सामने, बुरी तरह फटकार लगाई थी। वह ह्यथप्पड़ह्न से भी करारा दुर्व्यवहार था। यही नहीं, पंजाब में भाजपा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को थप्पड़ मारने वाले फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रही है, तो क्या ऐसा व्यवहार ह्यलोकतांत्रिकह्न माना जा सकता है? अर्द्धराज्य दिल्ली ने विधानसभा के लिए केजरीवाल की ह्यआपह्न के खिलाफ जनादेश दिया था, तो कुछ अपेक्षाएं थीं, कुछ उम्मीदें और आकांक्षाएं थीं, कमोबेश जनता या किसी भी नागरिक को थप्पड़ मारने का जनमत नहीं दिया गया था। विवश भी नहीं किया जा सकता। मौजूदा संदर्भ में विधायक ने ह्यघूसह्न मांगी या नहीं, ह्यआपह्न के युवा कार्यकर्ता ने मंत्री के परिवार को गालियां दीं या नहीं, ये सभी जांच के विषय हैं। यदि दिल्ली पुलिस तटस्थ, गंभीर होकर जांच करेगी, तो निश्चित रूप से ह्यकाला यथार्थह्न सामने आएगा, लेकिन हमें लगता नहीं कि पुलिस मंत्री के खिलाफ कुछ जांच करेगी, क्योंकि दिल्ली पुलिस सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। गृहमंत्री अमित शाह अपनी ही पार्टी की सरकार के मंत्री के खिलाफ कार्रवाई क्यों करेंगे? इतने नीर-क्षीर विवेकी नहीं हैं केंद्रीय गृहमंत्री! सवाल तो यह भी है कि यदि विधायक जरनैल सिंह ने इंजीनियर, ठेकेदार से ह्यकमीशनह्न मांगी थी, तो उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की धाराओं में पहले ही केस दर्ज क्यों नहीं किया गया? मंत्री ने अधिकारियों को आदेश क्यों नहीं दिए? मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली पुलिस आयुक्त से आग्रह क्यों नहीं किया? क्या भाजपा की सियासत यही है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस संदर्भ में सही ही लगते हैं कि यह सत्ता का ऐसा चेहरा है, जिसे वोटर का डर नहीं है। सत्ता से सवाल करोगे, तो इसी तरह थप्पड़ रसीद किए जाते रहेंगे।

विपक्ष इस विषय पर लामबंद हो रहा है। वह आंदोलने छेड? के मूड में है। किसी भी नेता को किसी अन्य व्यक्ति को थप्पड़ मारने का अधिकार नहीं है। इस मामले में सीमाओं का अतिक्रमण हुआ है।

शक्ति संतुलन, कूटनीति और जलवायु संकट

विकेश कुमार बडोला

> प्रत्येक वर्ष किसी न किसी ऋतु में कोई न कोई प्रतिकूल संकटजन्य ऋतुगत घटना हो ही रही है। इस सत्य को सम्मुख रखते हुए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों और विशेषकर विकसित सदस्य देशों को जीवन-जगत के संबंध में मानवीय एवं प्राकृतिक दृष्टिकोण अंगीकार करना होगा

विश्व में अनेक स्तर पर हो रहे युद्धों, दो या अधिक देशों के पारस्परिक सशस्त्र संघर्षों तथा अन्य राजनीतिक प्रतिकूलताओं व नकारात्मक प्रतिस्पद्धाओं के बीच संपन्न संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक महासभा में अत्यधिक हलचल रही। सन- 2014 के बाद महासभा में ऐसी हलचल प्रत्येक वर्ष हो रही है और आगामी वर्ष में तीव्र से तीव्रतम हो रही है। जब तक दुनिया में संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य देशों- अमरीका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के देशज हित सधते रहे, तब तक महासभा का आयोजन शेष विश्व के लिए एक साधारण आयोजन हुआ करता था। किंतु जब से उक्त पांच देशों के मध्य स्वार्थ साधने एवं शीर्ष पर स्थापित होने की स्पर्धा बढ़ी तथा इनके प्रतिस्पर्द्धी बनकर दुनिया के कुछ अन्य देश भी खड़े हुए हैं, तब से महासभा की वार्षिक बैठक आरोप-प्रत्यारोप का मंच बन गई है। पांच देशों के प्रतिस्पर्द्धी बनकर खड़े होने वाले देशों में सम्मिलित हैं भारत, जर्मनी, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया। विशेषकर भारत में 2014 के बाद जो शासन तंत्र स्थापित हुआ और जिस प्रकार स्वदेशी गौरव के प्रति एक तीव्र शासकीय एवं लोकतांत्रिक हलचल होनी आरंभ हुई, उस परिस्थिति में संयुक्त राष्ट्र के प्रभुत्व में दबदबा बनाए रखने वाले प्रमुख पांच देशों में से अमरीका, चीन एवं ब्रिटेन को कुछ अधिक बेचैनी हो गई है। भारत, रूस एवं चीन के नेतृत्व में ब्रिक्स सहित दक्षिण एशियाई एवं मध्य पूर्वी देशों के बीच अमरीकी-यूरोपीय शासकीय प्रभुत्व को खंडित करने के लिए वैचारिक एवं व्यावहारिक स्तर पर जो नवचेतना जागृत हुई है, उसने भी विश्व को पिछले एक-डेढ़ दशक में पहले तो शीतयुद्ध में धकेला और अब उस कारण धीरे-धीरे विभिन्न स्तरों पर देशों के मध्य सशस्त्र संघर्ष भी बढ़ रहा है।

जिस प्रकार विश्व समय-समय पर शीतयुद्ध से प्रभावित रहा है, उसी प्रकार भारत के केंद्रीय कल्याणकारी भूमिका में अवतरित होने के बाद संपूर्ण विश्व में शीत-समन्वय की धारणा जड़ें जमा रही है। अघोषित रूप से भारत की विदेश नीति सर्वमान्य हो रही है। विदेशों में भारत के मानवतावादी सिद्धांत की प्रशंसा हो रही है। किसी भी मंच पर भारत का मत स्वार्थ से विलग जगहित के लिए होता है। इस भाव को दुनिया के अधिसंख्य देश पहचान रहे हैं। भारत के शत्रु देश भी इस भावना से भलीभांति परिचित हैं। इसीलिए वे भारतीय पराभव के लिए अनेक प्रकार के षड्यंत्रों में लिप्त हैं। महासभा के मंच पर जहां अधिसंख्य देशों एवं उनके प्रमुखों तथा प्रमुखों की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों ने अपने-अपने हितों के रक्षार्थ भाषण किया तथा अपने शत्रु देश के प्रति आक्रोश से भरकर अपनी-अपनी आपत्तियां प्रकट कीं, वहीं भारतीय प्रतिनिधि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अत्यंत शांत होकर, संयम एवं विनीत भावना के साथ वैश्विक युद्धजन्य संघर्षों, प्राकृतिक चुनौतियों, असमान सुख-सुविधाओं के वितरण, आदि मानवीयता-केंद्रित विषयों पर संभाषण किया तथा पारस्परिक सेवा व सहयोग के विचार के साथ विकसित होने के विचार पर बल दिया। हालांकि उन्होंने भी भारत के पारंपरिक शत्रु देश पाकिस्तान पर मंच से दोषारोपण किया, किंतु ऐसा आरोप कल्पना आधारित नहीं है। यह अनेक स्तर पर प्रामाणिक है। यह अलग बात है कि न तो अमरीका और न ही संयुक्त राष्ट्र ने इस पर आज तक गंभीरतापूर्वक विचार किया है। संयुक्त राष्ट्र की अप्रासंगिकता एवं अनुपयोगिता को स्वीकार करके ही तो दक्षिण एवं पश्चिमी एशिया में ब्रिक्स जैसा संगठन वर्ष-प्रतिवर्ष वृहद आकार ले रहा है। इस संगठन की व्यावहारिक व उपयोगी कार्यप्रणालियों के कारण शनैः.शनैः जी-7 एवं जी-20 जैसे समूहों की आवश्यकता व उपयोगिता पर संकट मंडरा रहा है।

जी-7 एवं जी-20 जैसे समूहों के बल पर ही संयुक्त राष्ट्र की भी प्रासंगिकता है। ऐसे में यदि ब्रिक्स का आकार प्रत्येक वर्ष बढ़ता रहा और इसमें यूरोप, अफ्रीका एवं दुनिया के अन्य द्वीपों के देश सदस्यों के रूप में जुड़ते रहे तो वास्तव में अमरीका, ब्रिटेन व यूरोप का वैश्विक प्रभाव अत्यंत कम हो जाएगा। इन्हीं चिंताओं से घिरकर अमरीका, ब्रिटेन के नेतृत्व में विश्व को निरंतर विभिन्न स्तर पर सशस्त्र युद्धों, आतंकी घटनाओं एवं लोकतंत्र के विरोध में अराजक आंदोलनों में धकेला जा रहा है। इस संवेदनशील स्थिति में पूरे विश्व में भारत ही एकमात्र देश है, जो सर्वहित की बात करता है, जो परस्पर सहायता एवं सहयोग के बल पर विकसित होने का विकल्प सम्मुख रखता है, जो कठोर सशस्त्र संघर्षों के बीच भी समझौता, शांति एवं मानवता के मार्ग को चुनने की सलाह देता है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भी भारत ने एस. जयशंकर के माध्यम से ऐसा ही किया है। विदेश मंत्री की बातों के मर्म को समझा जाए तो स्पष्ट होता है कि यह भारतीय अध्यात्म, दर्शन, धर्म एवं सर्वहितैषी भाव के केंद्रीय विचार का ही संभाषणीय प्रतिपादन है। ऐसी भावना का प्रतिनिधि भारत ही हो सकता है। ब्रिक्स हो अथवा संयुक्त राष्ट्र, सभी मंचों पर अब देश को न तो इंडिया लिखा जाता है और न बोला जाता है। अब देश का संबोधन भारत के रूप में होता है। यह हिंदुस्थानियों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। लाख शासकीय कमियों के उपरांत भी विगत 12 वर्षों के भारतीय केंद्रीय शासन की विदेश नीति सबसे अच्छी नीति के रूप में साकार हुई है और इसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि भारत विभिन्न प्रकार के संघर्षों में उलझी हुई दुनिया और इसके देशों के लिए सकारात्मक संभाषण करते हुए हरेक मंच को सकारात्मकता प्रदान करता है, किंतु वास्तविकता पर ध्यान लगाएं तो वह यही है कि संघर्षों के लिए दोषी देश केवल मंच की परिधि में ही रहकर भारत या किसी अन्य देश की ऐसी सकारात्मकता पर ध्यान लगाते हैं, और मंचावधि समाप्त होते ही पुनः अपने-अपने हठ, स्वार्थ एवं अहंकार की पूर्ति में लग जाते हैं। इस समय जगत में सशस्त्र संघर्ष ही एक प्रमुख एवं दीर्घ कारण नहीं, जो चिंता का विषय है, बल्कि जलवायु की प्रतिकूलता सबसे बड़ा चिंतनशील विषय है। दुर्भाग्य से यह विषय विकसित देशों के लिए चिंता एवं चिंतन का विषय है ही नहीं।

मुफ्तखोरी क्या अब बनेगी वैश्विक समस्या?

डा. अश्विनी महाजन

समझा जा सकता है कि कहीं न कहीं मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण राज्यों पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है, जिसके चलते देश पर कुल कर्ज का बोझ बढ़ा है। कुछ लोगों का कहना है कि मुफ्तखोरी की यह स्कीम, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी वोटरों को वायदा किया है यदि वे उन्हें सीनेट और हाउस में विजय दिला दें, तो वे हर मतदाता को 5000 अमरीकी डॉलर देंगे। भारत का उदाहरण हमारे सामने है, कि कैसे भारत के राज्यों में मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण वे कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं और उसकी वजह से वे अपने नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने में असमर्थ हैं। गौरतलब है कि अमरीका में पहले से ही कर्ज का बोझ बढ़ता ही जा रहा है अमरीका में 2010-11 में कर्ज का बोझ उनकी जीडीपी का 95.7 प्रतिशत था, जो 2025 में बढ़ता हुआ, 123.9 प्रतिशत तक हो चुका है।



भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरूआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है

भारत में मुफ्तखोरी योजनाएं, जिन्हें फ्रीबीज भी कहा जाता है, पिछले लंबे समय से एक आम बात हो चुकी हैं। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा से आगे बढ़ते हुए अब बात साइकिल, स्कूटी, मंगलसूत्र, लैपटॉप और टेब तक पहुंच चुकी है। राजनैतिक दल, जो पहले सैद्धांतिक रूप से फ्रीबीज का विरोध करते थे, वे भी बड़े पैमाने पर इस प्रकार की योजनाओं की घोषणाएं धड़ल्ले से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि इन फ्रीबीज को जन कल्याण के नाम पर अन्य प्रकार से औचित्यपूर्ण भी ठहराया जाता है। इसी प्रकार की फ्रीबीज की घोषणाएं कुछ अन्य देशों में भी देखने और सुनने को मिलने लगी हैं। कुछ दिन पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी व्यस्क लोगों को 5 हजार डॉलर देने की पेशकश की गई है, जिसमें शर्त यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को अमरीकी संसद यानी हाउस और सेनेट में जीत हासिल हो। यानी अमरीका में मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर अमरीकी मतदाताओं को सीधे तौर पर यह पेशकश है कि आप ट्रंप की पार्टी को वोट दीजिए और आपको 5 हजार डॉलर दिए जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि अमरीका से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां भारत के प्रजातंत्र के बारे में टिप्पणियां तो करती ही हैं, भारतीय प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण चुनाव एवं सत्ता हस्तांतरण, प्रेस, मीडिया और बोलने की स्वतंत्रता, स्वायत्त न्याय पालिका एवं अन्य संस्थाओं के बावजूद भारतीय प्रजातंत्र को अत्यंत निचले स्तर पर रेटिंग की जाती है। हालांकि पिछले कुछ समय से ये एजेंसियां अमरीकी प्रजातंत्र की भी रेटिंग गिरा रही है। लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति द्वारा सीधे तौर पर वोट के बदले नोट देने की पेशकश, दुनिया में एक नई बहस को जन्म दे रही है कि क्या अब विकास, स्वच्छ प्रशासन, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, आमजन के लिए सुविधाओं की बजाय फ्रीबीज के आधार पर प्रजातंत्र में मतदाता वोट डाला करेंगे। ऐसे में यदि सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल वोटरों को राशि देने की पेशकश करने में प्रतिस्पर्धा करने लगे तो उसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा।

यानी यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद डेमोक्रेट पार्टी इस राशि से ज्यादा की पेशकश कर दे, तो क्या होगा? यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता यहां रुकने वाली नहीं है, यह नीचे राज्यों तक जाएगी और वहां गवर्नर की रेस में लगे दल भी इसी प्रकार की पेशकश करने लगे, तो उसका असर जन सेवाओं पर कितना पड़ सकता है, इसका अंदाजा भारत में इस प्रतिस्पर्धा से लगाया जा सकता है। भारत में मुफ्तखोरी योजनाओं की शुरूआत कहां से हुई, उसके बारे में चर्चा करते हुए यदि हम उसके प्रकार और फैलाव के बारे में देखते हैं तो ध्यान में आता है कि सरकारी खजाने पर इसका सर्वाधिक असर पंजाब, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों में ज्यादा दिखाई देता है। भारत के महालेखाकार और अकेंक्षक (कैग) के अनुसार 2024-25 में पंजाब, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में कुल सरकारी खर्च के 13.5 प्रतिशत से ज्यादा इस प्रकार की योजनाओं मे खर्च हो रहा था। हालांकि तमिलनाडु और दिल्ली इन मुफ्तखोरी योजनाओं के खासे चर्चित उदाहरण रहे हैं, लेकिन इन राज्यों में सरकारी कर्ज सरकारी खातों में दिखाई नहीं देता, लेकिन यह इसलिए है कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति सरकारी राजस्व, राष्ट्रीय औसत के दुगने से भी अधिक है। इसका अप्रत्यक्ष कारण यह है कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगनी से भी अधिक है। कमोबेश यही स्थिति तमिलनाडु की भी है। भारतीय जनता पार्टी इन मुफ्तखोरी योजनाओं का सैद्धांतिक रूप से विरोध करती रही है। लेकिन अन्य राजनीतिक दलों की मुफ्तखोरी योजनाओं के मद्देनजर अब यह पार्टी भी सत्ता के समीकरण अपने पक्ष में करने हेतु खुलकर इन मुफ्तखोरी योजनाओं की केवल घोषणा ही नहीं कर रही, बल्कि उनके फायदे भी गिना रही है। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश में लाडली बहन योजना, दिल्ली में मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और कई अन्य राज्यों में इस प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। हालांकि दिल्ली की महिलाओं के लिए दी जाने वाली राशि केवल इसके लिए पात्र (गरीब) महिलाओं को ही मिलेगी। दिल्ली मे भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी द्वारा दी जा रही मुफ्त बिजली, पानी आदि की सुविधा को बरकरार भी रखा है।

इन सभी मुफ्तखोरी योजनाओं का असर देश पर बढ़ते कर्ज के रूप में भी दिखाई देता है। गौरतलब है कि 2010-11 में देश पर सम्मिलित कर्ज केंद्र और राज्य जीडीपी का 65.6 प्रतिशत था। जिसमें केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी का 48.58 प्रतिशत और राज्यों का कर्ज जीडीपी का 23.5 प्रतिशत था। गौरतलब है कि देश पर सम्मिलित कर्ज आकलित करने के लिए केंद्र और राज्यों के आपसी लेनदेन को समायोजित किया गया है। 2024-25 में यह कर्ज बढकर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच गया। जहां केंद्र सरकार का कर्ज 48.8 प्रतिशत से बढकर 57.5 प्रतिशत तक पहुंचा, राज्य सरकारों पर कर्ज 23.5 प्रतिशत से बढ़ता हुआ 28.5 प्रतिशत तक पहुंच गया। जिन राज्यों द्वारा मुफ्त खोरी की योजनाओं को ज्यादा अपनाया गया है उन राज्यों का कर्ज राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। 2024-25 में, कई राज्यों पर उनके जीएसडीपी (राज्य की जीडीपी) के मुकाबले काफी ज्यादा कर्ज था, पंजाब में यह 47.3 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 44.0 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 38.0 प्रतिशत, केरल में 37.0 प्रतिशत, राजस्थान में 36.0 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 34.7 प्रतिशत। कर्ज का इतना ज्यादा बोझ राजकोषीय गुंजाइश को सीमित करता है, ब्याज का बोझ बढ़ाता है और उत्पादक सार्वजनिक निवेश को रोक सकता है। आमदनी से ज्यादा खर्च और तदनुसार घाटे के बजटों ने देश पर कर्ज बढ़ाया ही है, लेकिन हाल ही में मुफ्तखोरी की योजनाओं के चलते यह गति और तेजी से बढ़ी है।

गौरतलब है कि 2010-11 और 2018-19 के बीच देश पर कुल कर्ज 63.6 प्रतिशत से मामूली सा बढकर 66.5 प्रतिशत तक ही हुआ था। लेकिन पिछले मात्र 6 वर्षों में यह 2024-25 तक बढकर जीडीपी के 81.9 प्रतिशत तक पहुंच जाना वास्तव में चिंता का विषय है। यह भी सही है कि केंद्र सरकार की देनदारी में बड़ी वृद्धि कोरोना काल में हुई थी, जब 2019-20 और 2020-21 के दौरान केंद्र सरकार की देनदारियां जीडीपी के 62.9 प्रतिशत और राज्य सरकारों की देनदारियां 31.1 प्रतिशत तक पहुंच गई और दोनों की सम्मिलित देनदारियां 88.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि उसके बाद सम्मिलित लेनदारिया 81.9 प्रतिशत तक घट गई है, जिनमें केंद्र की देनदारियां 57.1 प्रतिशत हैं और राज्यों पर अभी भी ये 28.5 प्रतिशत बनी हुई हैं। ध्यातव्य है कि लेकिन अभी भी यह 2010-11 के 65.6 प्रतिशत से कहीं अधिक हैं।

न्यूज ब्रीफ

झारसुगुड़ा यार्ड री-मॉडलिंग कार्य के कारण उदयपुर सिटी-शालीमार-उदयपुर सिटी रेलसेवा एक ट्रिप रहेगी निरस्त



भोपाल। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत झारसुगुड़ा पैसेंजर यार्ड री-मॉडलिंग कार्य के कारण इस मार्ग से होकर संचालित होने वाली उदयपुर सिटी-शालीमार-उदयपुर सिटी रेलसेवा को निर्धारित तिथियों में निरस्त किया जा रहा है। भोपाल मंडल के गुना, अशोकनगर एवं मूंगावली स्टेशनों से होकर संचालित होने वाली प्रभावित रेलसेवाओं का विवरण निम्नानुसार है–

1. गाड़ी संख्या 20971 उदयपुर सिटीझशालीमार रेलसेवा दिनांक 12 दिसंबर 2026 को निरस्त रहेगी।
2. गाड़ी संख्या 20972 शालीमारझउदयपुर सिटी रेलसेवा दिनांक 13 दिसंबर 2026 को निरस्त रहेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि उक्त अवधि में यात्रा की योजना बनाते समय रेलसेवा के निरस्तीकरण को ध्यान में रखें तथा अपनी यात्रा के लिए उपलब्ध वैकल्पिक रेलसेवाओं की जानकारी रेलवे के अधिकृत माध्यमों से प्राप्त करें।

मोटोरोला ने इट्स द टाइम टु मोटो कैंपेन के तहत बिगबिलियन मोटोडील्स का ऐलान किया

नई दिल्ली। यह धमाकेदार सेल फ्लिपकार्ट पर 27 सितंबर, शाम 6 बजे से शुरू हो गई है, मोटोरोला एज 70 फ्यूजन, मोटोरोला एज 70 प्रो / प्रो+, मोटो जी37 पावर, मोटोरोला सिग्नेचर और कई अन्य मोटोरोला स्मार्टफोन्स अविश्वसनीय कीमतों पर उपलब्ध हैं

मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया भर में मशहूर और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज सेल 2026 के दौरान अपने #बिगबिलियनमोटोरश ऑफर के तहत बेहतरीन और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स पर जबर्दस्त फेस्टिव डिस्काउंट लेकर आया है। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के साथ 30 हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स से लेकर मोटोरोला एज 70 प्रो के साथ 40 हजार रुपये के अंदर असली फ्लैगशिप किलर तक; मोटोरोला एज 70 प्रो+के साथ 45 हजार रुपये के अंदर चार 50टढ कैमरों का जबर्दस्त अनुभव; मोटोरोला सिग्नेचर के साथ 60 हजार रुपये के अंदर सिग्नेचर-क्लास कैमरा; और मोटो जी37 पावर के साथ 20 हजार रुपये के अंदर 3 दिन की बैटरी लाइफ वाला फोन–मोटोराला इस त्यौहार के सीजन को बेहतरीन कीमतों और बड़े अपग्रेड के नाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। फ्लिपकार्ट पर यह सेल 27 सितंबर 2026 से शुरू हो चुकी है, जिससे ग्राहकों को अपना पसंदीदा मोटोरोला स्मार्टफोन खरीदने का शानदार मौका मिला है। पूरी सेल के दौरान ग्राहक मोटोरोला के विभिन्न डिवाइसेस पर आकर्षक बिग बिलियन डेज कीमतों का लाभ उठा सकते हैं।

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन: मोटोरोला एज 70 फ्यूजन 30हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स लेकर आया है, जो कम बजट में प्रीमियम स्मार्टफोन चाहने वालों के लिए मोटोराला की सबसे बेहतरीन डील है। इस फोन में ओआईएस और अल्ट्रा पिक्सल वाले एआई-बेस्ड 50टढ सोनी लिटियाट्ठ 710मेन कैमरे के साथ 13टढ अल्ट्रा-वाइड + मैक्रो कैमरा और 32टढ सेल्फी कैमरा दिया गया है। पैंटोनट्ठ वैलिडेटेड 100% ट्ठ कलर और स्किन टोन वाले इस फोन के सभी कैमरों से 4ङ वीडियो रिकॉर्डिंग की जा सकती है, जिससे रात में भी साफ तस्वीरें आती हैं। इसमें सेगमेंट की इकलौती 1.5ङ ट्ठ कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले है, जो 4500 ल्ल्र३२ की ब्राइटनेस, 120ल्ल९ रिफ्रेश रेट और गोरिल्ला ग्लास 7 के साथ आती है। स्मार्ट वॉटर टच 3.0 तकनीक के कारण स्क्रीन गीली होने पर भी आसानी से चलती है।

प्लास्टिक कचरे से वेस्ट टू वेल्थ की ओर भोपाल मंडल की पहल

भोपाल स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता एवं जनभागीदारी का संदेश

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



डीआरएम श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत भोपाल मंडल द्वारा रेलवे स्टेशनों एवं मंडल कार्यालय में स्वच्छता, जनभागीदारी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ स्वच्छ एवं स्वस्थ रेलवे परिसर के निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत भोपाल रेलवे स्टेशन पर भोपाल मंडल की सांस्कृतिक टीम द्वारा ह्लस्वच्छता में सहभाग : स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्व विषय पर प्रभावी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छता के महत्व, सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छता अभियान में प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल मंडल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल इंजीनियर (मुख्यालय), मंडल यांत्रिक इंजीनियर, स्टेशन निदेशक, भोपाल सहित अन्य रेल अधिकारी, कर्मचारी एवं यात्री उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक टीम ने आकर्षक एवं प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से संदेश दिया कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपने स्तर पर स्वच्छता के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने से स्वच्छ, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। नुक्कड़ नाटक को यात्रियों एवं रेलकर्मियों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत भोपाल मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं मंडल मुख्यालय पर विभिन्न विभागों द्वारा ह्लप्लास्टिक पुनर्चक्रण मेला एवं अपशिष्ट उत्पादक दायित्व के अंतर्गत पुनर्चक्रणकर्ता संपर्कह्व जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही ह्लकम उपयोग, पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रणह्व के संग्रहण केंद्रों को सुदृढ़ करने, प्लास्टिक कचरे को अधिकृत पुनर्चक्रणकताओं से जोड़ने तथा ह्लकचरे से संपदाह्व की अवधारणा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

इन गतिविधियों के माध्यम से रेलकर्मियों एवं यात्रियों को प्लास्टिक कचरे को खुले में न फेंकने, कचरे का उचित पृथक्करण करने तथा पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अधिकृत माध्यमों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत ह्लएक दिन, एक घंटा, एक साथह्व थीम पर राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम के क्रम में भोपाल स्टेशन परिसर में 01 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08:00 बजे से एक घंटे का सामूहिक श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया जायेगा। इसमें मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। इस सामूहिक श्रमदान का उद्देश्य रेल परिसर को स्वच्छ रखने के साथ-साथ यात्रियों, रेलकर्मियों एवं आमजन में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी एवं सामुदायिक सहभागिता की भावना को बढ़ावा देना है।

भोपाल मंडल द्वारा स्वच्छता ही सेवा-2026 के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि स्वच्छ रेलवे परिसर केवल सफाई व्यवस्था से नहीं, बल्कि प्रत्येक यात्री एवं रेलकर्मी की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है। मंडल द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी से संबंधित गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना से श्रीमती रसुम बाई की आय में वृद्धि

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों को उन्नत नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना, उनकी आय में बढ़ोतरी करना तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। श्रीमती रसुम बाई के पास योजना का लाभ लेने से पूर्व 02 गाय थीं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 10 लीटर दूध का उत्पादन होता था। दूध को लगभग ?45 प्रति लीटर की दर से बेचने पर उनकी मासिक आय लगभग 24,300/- थी। सीमित पशुधन एवं कम दुग्ध उत्पादन के कारण परिवार की आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही थी।

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना की जानकारी प्राप्त होने पर श्रीमती रसुम बाई ने पशु चिकित्सालय बैरसिया में संपर्क किया। विभागीय अधिकारियों द्वारा उन्हें योजना की विस्तृत जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। हितग्राही द्वारा योजना के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया।

योजना के माध्यम से जनवरी 2026 में हितग्राही को 02 मुर्रा नस्ल की भैंसें प्राप्त हुईं। इन भैंसों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और परिवार की आय का एक मजबूत एवं नियमित स्रोत विकसित हुआ।

योजना का लाभ मिलने के बाद दोनों मुर्रा भैंसों से प्रतिदिन लगभग 27 लीटर दूध का उत्पादन होने लगा। दूध की बिक्री लगभग ?50 प्रति लीटर की दर से की जा रही है। इससे दोनों भैंसों से लगभग ?40,500/- प्रतिमाह की आय प्राप्त हो रही है।

पूर्व में उपलब्ध आय तथा योजना से प्राप्त अतिरिक्त आय को मिलाकर हितग्राही की कुल मासिक आय लगभग 64,000/- तक पहुंच गई है। इस प्रकार मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना ने श्रीमती रसुम बाई के परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उन्हें पशुपालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया है।

पशुपालन विभाग द्वारा हितग्राही को समय-समय पर पशु उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान, पशु बीमा तथा तकनीकी मार्गदर्शन जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। विभागीय मार्गदर्शन से हितग्राही पशुओं के बेहतर प्रबंधन एवं दुग्ध उत्पादन को बनाए रखने में सक्षम हो रही हैं।

श्रीमती रसुम बाई की कहानी यह दशार्ती है कि योजनाबद्ध तरीके से पशुपालन को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के माध्यम से प्राप्त मुर्रा भैंसों ने उनके दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। आज श्रीमती रसुम बाई पशुपालन को केवल पारंपरिक गतिविधि के रूप में नहीं, बल्कि आय एवं स्वरोजगार के स्थायी साधन के रूप में अपना रही हैं। उनकी सफलता ग्रामीण क्षेत्र के अन्य पशुपालकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

कुपोषित बच्चों की मदद अब होगी ट्रैक भावनी बताएगा किस बच्चे को कितनी जरूरत

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

कुपोषण के खिलाफ मध्यप्रदेश में सरकारी प्रयासों के साथ अब समाज, स्वयंसेवी संस्थाओं और दानदाताओं की भागीदारी को तकनीक के माध्यम से जोड़ने की पहल की गई है। 'भावनी' पोर्टल ऐसा डिजिटल मंच है, जो पोषण संबंधी आवश्यकता वाले बच्चों को मार्गदर्शकों, सहयोगी संस्थाओं और दानदाताओं से पारदर्शी तरीके से जोड़ने का काम करता है। पोर्टल का उद्देश्य केवल किसी बच्चे तक सहायता पहुंचाना नहीं, बल्कि सहायता मिलने के बाद उसकी पोषण स्थिति में हुए बदलाव की निरंतर निगरानी और मॉनिटरिंग सुनिश्चित करना भी है।

पहचान छिपी रहेगी, जरूरत सामने होगी

'भावनी' पोर्टल पर महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रणालियों से सत्यापित बाल आंकड़े प्राप्त किए जाते हैं। बच्चों की निजता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी व्यक्तिगत पहचान सार्वजनिक नहीं की जाती। पोर्टल पर बच्चों की जानकारी अनाम रूप में प्रदर्शित होती है, ताकि जरूरतमंद बच्चे तक सहायता पहुंचने के साथ उसकी गोपनीयता भी सुरक्षित रहे।

'भावनी' पोर्टल पर मार्गदर्शक समग्र पहचान क्रमांक के साथ अथवा उसके बिना पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन के बाद वे अपने क्षेत्र में उपलब्ध बच्चों की सूची देख सकते हैं और बच्चे की पोषण स्थिति तथा आवश्यकता के अनुसार उसका चयन कर सकते हैं। सहायता का प्रकार, कितनी बार सहायता दी जाएगी और सहायता से संबंधित अन्य विवरण दर्ज करने के बाद संबंधित बच्चे के लिए विशिष्ट सहायता पहचान क्रमांक तैयार होता है। इस व्यवस्था से सहायता को सामान्य रूप से वितरित करने के बजाय बच्चे की वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप लक्षित किया जा सकता है। इससे सहयोग करने वाले व्यक्ति या संस्था को भी यह स्पष्ट रहता है कि सहायता किस उद्देश्य से और किस प्रकार उपलब्ध कराई जा रही है।

सहायता के बाद भी मॉनिटरिंग जारी रहेगी

'भावनी' पोर्टल की विशेषता यह है कि इसमें सहायता उपलब्ध कराने के बाद प्रक्रिया समाप्त नहीं होती। मेरे बच्चों की सूची के माध्यम से मार्गदर्शक संबंधित बच्चों को दी जा रही सहायता की स्थिति तथा उनकी पोषण संबंधी प्रगति का अनुश्रवण कर सकते हैं।

निर्धारित साप्ताहिक अथवा मासिक अंतराल पर बच्चे की स्थिति को अद्यतन किया जाता है। प्रत्येक प्रविष्टि में सहायता की तिथि, सहायता का स्वरूप, बच्चे की पोषण स्थिति, अवलोकन और उपलब्ध प्रमाण दर्ज किए जाते हैं। इससे बच्चे की सहायता और उसकी प्रगति का व्यवस्थित अभिलेख तैयार होता है।

सरकार और समाज के बीच बनेगा मजबूत सेतु

'भावनी' पोर्टल सरकारी तंत्र और समाज के बीच समन्वय स्थापित करने का माध्यम भी है। प्रशासनिक स्तर पर पंजीकृत मार्गदर्शकों, सहयोगी संस्थाओं तथा उनसे जुड़े बच्चों की जानकारी देखी जा सकती है। इससे विभाग को यह जानने में सुविधा होती है कि किन बच्चों को सहयोग मिल रहा है और उनकी पोषण स्थिति में क्या परिवर्तन आया है।

इस व्यवस्था में समाज के विभिन्न वर्ग अपनी क्षमता के अनुसार योगदान कर सकते हैं। मार्गदर्शक, सामाजिक संस्थाएं और दानदाता जरूरतमंद बच्चों की पहचान के बाद उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहयोग उपलब्ध करा सकते हैं। इस प्रकार कुपोषण से निपटने के सरकारी प्रयासों को सामुदायिक सहभागिता से और व्यापक बनाया जा सकता है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं 146 आवेदनों पर त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित 146 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रत्येक आवेदक से धैर्यपूर्वक चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं को सुना तथा अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कराया। उन्होंने शेष आवेदनों के शीघ्र एवं नियमानुसार निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की जाए और प्रत्येक प्रकरण का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को आवेदकों की समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई के दौरान एडीएम श्री सुमित पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार महेश सोनी को मिला साहित्य क्रान्ति सृजन सम्मान



एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार महेश सोनी को साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर सृजनात्मक योगदान के लिए साहित्य क्रान्ति सृजन सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें साहित्यिक पत्रकारिता, रचनात्मक लेखन तथा साहित्य और संस्कृति से जुड़े आयोजनों एवं गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रदान किया गया।

समारोह में आयोजक साहित्यिक क्रांति के संपादक अनिरुद्ध सिंह सेंगर ने महेश सोनी के साहित्यिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र में योगदान को रेखांकित किया। श्री सोनी लंबे समय से साहित्य, कला और संस्कृति विषयों पर समाचार, फीचर एवं आलेख लिखते रहे हैं। महेश सोनी आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से भी जुड़े हैं और विभिन्न साहित्यिक-सांस्कृतिक विषयों पर लेखन, उद्घोषणा एवं कार्यक्रमों में सहभागिता करते रहे हैं। उनकी पुस्तक यादों से भरा झोला तथा कविता संग्रह भीड़ में खालीपन प्रकाशित हो चुके हैं।

सम्मान प्राप्त करने पर सोनी ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर सृजन करते रहना ही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।



भारत का सर्फिंग अभियान बिना पदक के समाप्त

ताहारा । भारत ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में अपना पहला सर्फिंग अभियान बिना किसी पदक के समाप्त किया। किशोर कुमार अनबरसु आखिरी भारतीय थे, जो पुरुषों के शॉर्टबोर्ड क्वार्टर-फाइनल में बाहर हो गए। सर्फिंग ने एशियन गेम्स में आइची-नागोया 2026 में अपना डेब्यू किया और भारत ने ताहारा के पैसिफिक लॉन्ग बीच पर पुरुषों और महिलाओं के शॉर्टबोर्ड कॉम्पिटिशन में चार सदस्यीय समूह उतारा। 18 साल के भारतीय सर्फर किशोर का रन आखिरी आठ में फिलीपींस के टोबी एस्पेजोन से 8.53-5.37 की हार के साथ खत्म हुआ। टोबी ने अपनी दो वेव्स में 5.50 और 3.03 का स्कोर किया, जबकि किशोर सिर्फ 3.00 और 2.37 ही बना सके। सर्फिंग में, किसी कॉम्पिटिटर का स्कोर उसकी सबसे ज्यादा स्कोर वाली दो वेव्स का टोटल होता है, जिसमें हर वेव को 10.00 में से आंका जाता है, जिससे अधिकतम स्कोर 20.00 होता है। किशोर ने तीसरे राउंड में चीन के मा वेनसोंग को 9.76-8.80 से हराकर क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अपने ओपनिंग-राउंड हीट में भी 9.33 पॉइंट्स के साथ टॉप किया था। भारत के दूसरे मेन्स शॉर्टबोर्ड एंट्रेंट, शिवराज बाबू, दूसरे राउंड में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के दावूद खादिर को 8.96-3.60 से हराकर आगे बढ़े। शिवराज का कैंपेन तीसरे राउंड में खत्म हो गया, जहां वह फिलीपींस के जयुआर्ड एल्सिसो से 11.50-7.83 से हार गए। विमेंस शॉर्टबोर्ड में, कमाली प्रकाश और सुगर शांति गायेन भी तीसरे राउंड में बाहर हो गईं। कमाली इंडोनेशिया की जैस्मीन मिशेल स्टुडर से 1.64-5.93 से हार गईं, जबकि सुगर तीसरे राउंड में जापान की मिनामी नोनाका से 14.60-5.17 से हार गईं।

भारत ने मालदीव में एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप 2024 के जरिए पुरुष और महिला, दोनों कैटेगरी में एशियन गेम्स के कोटे हासिल किए, जहाँ उन्होंने कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में अपना पहला टीम सिल्वर मेडल भी जीता।

रजत पदक जीतकर लौटीं मीराबाई चानू का दिल्ली में भव्य स्वागत : बोलीं–

देश के लिए मेडल जीतना सपना था



निशियो । जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में 49 किग्रा महिला वेटलिफ्टिंग में जीता ऐतिहासिक सिल्वर मेडल कोच विजय शर्मा के साथ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं स्टार वेटलिफ्टर हवाई अड्डे पर खेल प्रेमियों और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और तिरंगे के साथ किया जोरदार स्वागत

जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत का परचम लहराने के बाद स्टार वेटलिफ्टर साइखोम मीराबाई चानू मंगलवार को स्वदेश लौट आईं। महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतने के बाद मीराबाई चानू अपने मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि और उनके प्रशंसक मौजूद रहे।

स्वदेश वापसी पर मीडिया से बातचीत करते हुए मीराबाई चानू ने अपनी खुशी जाहिर की और इस पदक को अपने वर्षों के संघर्ष का परिणाम बताया।

संक्षिप्त समाचार

पारुल चौधरी ने जीता दूसरा 'ब्रॉन्ज'

नागोया, । भारत की पारुल चौधरी ने 'एशियन गेम्स 2026' में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है। पारुल ने महिलाओं की 5000 मीटर फाइनल रेस 15 :14.61 के समय के साथ पूरी करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, पारुल महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही थीं। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान की नोजोमी तनाका ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पारुल ने



रेस के आखिरी हिस्से में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए कजाकिस्तान की नोराह तानुई को पछाड़कर तीसरा स्थान हासिल किया। शुरुआत में तेज रफ्तार के बावजूद, भारतीय एथलीट ज्यादातर समय आगे चल रहे ग्रुप के काफी करीब बनी रहीं। तानुई ने शुरुआत में बढ़त बनाई और शेष धावकों से काफी आगे निकल गईं, जबकि यावी पीछा करने वाले ग्रुप में शामिल हो गईं। शुरुआत में पारुल और उनकी साथी सीमा कुमारी बीच में चल रही थीं, जबकि तानुई लगातार अपनी रफ्तार बढ़ाती रहीं। यावी ने आधे रास्ते के बाद अंतर कम करना शुरू किया और धीरे-धीरे खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में आ गईं। जब रेस अपने निर्णायक दौर में पहुंची, तो पारुल मेडल की दौड़ में बनी रहीं, जबकि सीमा पीछे छूट गईं। आखिरकार, यावी ने आखिरी लैप में बढ़त बना ली और अपनी रफ्तार बढ़ाई, जबकि तनाका बहरीन की धावक के साथ बने रहने की कोशिश करती रहीं।

भारतीय मूल की बोधना ने इतिहास रचा

11 साल की उम्र में बनीं सबसे युवा महिला ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना शिवानंदन ने चेस में इतिहास रच दिया है। बोधना ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें चेस ओलंपियाड में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना तीसरा और अंतिम वुमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) नॉर्म हासिल किया। इसके साथ बोधना इतिहास में वुमन ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी बन गईं। इंग्लैंड की महिला टीम के लिए टॉप बोर्ड पर खेलते हुए बोधना ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने छह गेम जीते और 8.0/11 का स्कोर



हासिल किया, जिससे इंग्लैंड महिला वर्ग में 15वें स्थान पर रहा। बोधना बोर्ड 1 पर टूर्नामेंट की 13वीं सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहीं। इससे पहले, सबसे युवा वुमन ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड रूस की ग्रैंडमास्टर कैटरीना लैग्नो के नाम पर था, जिन्होंने 12 साल की उम्र में खिताब जीता था। उनके अलावा, चीन की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन होउ यिफान ने भी 12 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। शिवानंदन की शतरंज यात्रा 'कोविड-19 लॉकडाउन' के दौरान शुरू हुई थी। पिता के दोस्त ने भारत लौटते समय कुछ बैग बोधना के परिवार को दिए थे, जिसमें एक शतरंज बोर्ड भी था। इसी शतरंज बोर्ड ने बोधना की दिलचस्पी को बढ़ाया। उस समय उन्होंने खुद ही इस खेल के दांव-पेंच सीखने शुरू किए थे। शिवानंदन ने यूरोपियन स्कूल्स चैंपियनशिप 2022 में सभी 24 मुकाबले जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था, जिसके एक साल बाद वह किसी ग्रैंडमास्टर के खिलाफ प्रतिस्पर्धी मुकाबले में हार न मानने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी बनीं।

मुक्केबाज पंघाल फाइनल में

एशियन गेम्स: नरेंद्र ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए



निशियो । एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में फजलिद्दीन एर्किनबोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अंकुश ने सेमीफाइनल में एर्किनबोव पर 4-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अंकुश पहले राउंड के आखिर में 1-4 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे पंचों के साथ करीबी मुकाबले में दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज दोनों बॉक्सरों में बेहतर रहे। उन्होंने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। पांच में से चार जजों ने अंकुश के पक्ष में वोट दिया और उन्होंने 4-1 से जीत हासिल की। चारों ने 29-28 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने उनके खिलाफ 28-29 का फैसला दिया।

नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए। ओरलबे ने अपने जोरदार मुक्कों से बाउट पर दबदबा बनाया, जबकि नरेंद्र ने अच्छा खेला, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन को नीचे नहीं गिरा सके।

ओरलबे ने पहला राउंड 5-0 से जीता और उनके मुक्के अच्छे लगे। दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके जोरदार हमलों ने नरेंद्र को मुश्किल में डाल दिया। कजाख मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में डिफेंसिव रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज पर 5-0 से जीत हासिल की।

इस बीच, अंकुश, अमित पंघाल (49 किग्रा) के 2018 जकार्ता गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद एशियाड फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बॉक्सर बन गए हैं। यह मौजूदा गेम्स में बॉक्सिंग में भारत का दूसरा पक्का सिल्वर मेडल था।

परवीन हुड्डा मुक्केबाजी के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं

निशियो । भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शू को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया।



भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया। परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा। यह मुकाबला कड़ा और रोमांचक होगा। निएन-चिन मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत के अंकुश पंघाल और नरेंद्र भी मंगलवार को अपने-अपने सेमीफाइनल में उतरेंगे। दोनों मुक्केबाज फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगे। भारत ने एशियन गेम्स में मुक्केबाजी में छह मेडल पक्के कर लिए हैं। सोमवार को कपिल पोखरिया, प्रिया घनघस और लवलीना बोरगोहेन ने अपने-अपने मुकाबले जीते। प्रिया ने क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा पर 5-0 से एकतरफा जीत के बाद महिलाओं की 60 किग्रा कैटेगरी में मेडल पक्का कर लिया।

शपथ पुरुषों के ट्रैप इंडिविजुअल फाइनल में पहुंचे

नागोया । ट्रैप शूटर शपथ भारद्वाज ने 117 पॉइंट्स के साथ क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों के ट्रैप शूटिंग इंडिविजुअल में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हांगझोऊ 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले कायनन चेनाई 115 पॉइंट्स के साथ 16वें और अहवर रिजवी 107 पॉइंट्स के साथ 32वें स्थान पर रहे। दोनों फाइनल से चूक गए। शपथ इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में 117 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे और कतर के मोहम्मद अल-रुमाही और कजाकिस्तान के अलीशेर ऐसालबायेव के साथ तीन-तरफा शूट-ऑफ में शामिल हुए, जिसमें फाइनल में दो जगह दांव पर थीं। फिर उन्होंने आखिरी दो जगहों के लिए एक नर्वस तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और अल-रुमाही को हराकर मेडल राउंड में अपनी जगह पक्की की। इस बीच, शपथ, कायनन और अहवर की ट्रैप मेन्स टीम 339 के टोटल स्कोर के साथ छठे

एशियन गेम्सः , टीम मेडल से चूकी

स्थान पर रहने के बाद मेडल से चूक गई।

इससे पहले, नीरू ढांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की विमेंस ट्रैप टीम ने मंगलवार को विमेंस ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे शूटिंग में देश के मेडलों की संख्या 13 हो गई। तीनों ने 125-शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड के तीन दिनों के बाद कुल 328 का स्कोर बनाया और सिल्वर के लिए कुवैत की चुनौती पर जीत हासिल की। चीन ने 346 के टोटल स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि कुवैत ने 325 के साथ ब्रॉन्ज जीता।

नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहने के बाद इंडिविजुअल फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। आशिमा और मनीषा ने क्रमशः 106 और 104 का स्कोर किया और 16वें और 23वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल से चूक गईं।

शूटिंग में 13 मेडल में से भारत के पास सिर्फ एक गोल्ड है, जो मिक्स्ड 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट से आया है।





सुमित नागल

सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के सेओंगचान होंग को 6-4, 6-0 से हराया।

नागल और दक्षिणेश्वर सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नागोया । एशियाई खेलों में मंगलवार को सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश ने टेनिस के पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर के मैचों में शानदार जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के सेओंगचान होंग को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि सुरेश ने इंडोनेशिया के गुनावान त्रिस्मुवंतारा पर कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (2) से जीत दर्ज की। मौसम की खराबी के कारण सोमवार को सुमित और हांग का मैच रोक दिया गया जबकि पहले सेट में सुमित 3-2 से आगे थे। कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी की और मंगलवार को फिर से शुरू होने पर पहले आठ अंक जीते क्योंकि सुमित पहले मैच में 3-4 से पीछे था। हालांकि, सुमित ने सेट और बाद में मैच अपने नाम करने के लिए लगातार नौ गेम जीते। सुमित एटीपी मास्टर्स 1000 इंडियन वेल्स क्वालीफाइंग राउंड में हांग से 6-2, 2-6, 6-7 (4) से हार गए थे। नागल ह्योन चुंग से 6-2, 4-6, 5-7 से हार गए जबकि वह एकल स्पर्धा में सूनवू क्वोन से 1-6, 2-6 से हार गए। एशियाई खेलों में अगले दौर में नागल का मुकाबला उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन से होगा।

यशवीर को सिल्वर, रोहित ने जीता ब्रॉन्ज

मेंस जैवलिन थ्रो में भारत का 'डबल धमाल'

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में भारत ने दो मेडल हासिल किए। यशवीर सिंह ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीता, जबकि रोहित यादव ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता का गोल्ड मेडल श्रीलंका के रुमेश थारंगा ने हासिल किया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत के यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरा स्थान अपने नाम किया। यशवीर ने अपने छठे प्रयास में 85.72 मीटर की दूरी तय की। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 85.14 मीटर था। रोहित ने पहले प्रयास में 83.56 मीटर, दूसरे में 82.99 मीटर, तीसरे में 82.42 मीटर और चौथे प्रयास में 84.31 मीटर की दूरी तय की। उनका का पांचवां प्रयास 85.14 मीटर रहा था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम प्रयास में सबसे अधिक दूरी तय की। वहीं, रोहित यादव ने 84.35 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। रोहित ने अपने तीसरे प्रयास में यह दूरी तय की थी। रोहित ने पहले प्रयास में 77.25 मीटर, दूसरे में 82.40 मीटर, तीसरे में 84.35 मीटर, चौथे में 82.16 मीटर और पांचवें प्रयास में 82.15 मीटर का थ्रो किया। हालांकि, उनका छठा प्रयास फाउल रहा। श्रीलंका के रुमेश थारंगा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। रुमेश ने अपने चौथे प्रयास में 88 मीटर की दूरी को पार कर लिया था, जिसके बाद छठे और अंतिम प्रयास में 88.55 मीटर की दूरी तय करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। थारंगा ने पहले प्रयास में 73.53 मीटर दूरी तय की, जिसके बाद अगले प्रयास में 83.34 मीटर दूर भाला फेंका।



संक्षिप्त समाचार

कच्चे तेल के लिए हर बैरल पर कीमत से 22 ज्यादा चुका रही भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संकट गहराने के कारण कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। सोमवार को इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 108 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थी। हालांकि इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि भारत की ऑयल रिफाइनरियों को फिजिकल क्रूड के लिए फ्यूचर्स कीमतों की तुलना में काफी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही हैं। इसकी वजह यह है कि खाड़ी देशों से सप्लाई सीमित बनी हुई है। एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के स्पॉट-प्राइस डेटा के मुताबिक 1 से 22 सितंबर के बीच ब्रेंट स्पॉट कीमतें नवंबर ब्रेंट फ्यूचर्स कीमतों से औसतन लगभग 12 प्रति बैरल ज्यादा रहीं। 15 सितंबर को यह अंतर बढ़कर 22 तक पहुंच गया था। स्पॉट कीमत फिजिकल ब्रेंट मार्केट के लिए एक रेफरेंस प्रदान करती है, जहां क्रूड कार्गो की वास्तविक खरीद-बिक्री होती है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि फ्यूचर्स कीमतें फिजिकल मार्केट की मौजूदा स्थितियों को नहीं दर्शाती हैं। सप्लायर फ्यूचर्स कीमतों के ऊपर 20 प्रति बैरल तक का प्रीमियम मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिजिकल मार्केट टाइट है। इसका मुख्य कारण यह है कि खाड़ी देशों से सप्लाई सीमित है। ब्रेंट फ्यूचर्स कीमत वह कीमत है जिस पर फ्यूचर्स मार्केट में डिलीवरी के लिए एक स्टैंडर्ड कॉन्ट्रैक्ट का ट्रेड होता है। फिजिकल मार्केट की ऊंची कीमतें रिफाइनर की खरीद लागत को बढ़ा देती हैं। क्रूड खरीद के सौदे आमतौर पर डिलीवरी से लगभग दो महीने पहले तय किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, सितंबर में खरीदा गया कार्गो अक्टूबर में लोड हो सकता है और नवंबर में रिफाइनरी पहुंच सकता है। इसकी कीमत अक्टूबर (लोडिंग महीने) के फिजिकल-मार्केट बेंचमार्क के औसत के आधार पर तय होगी। मुताबिक भारतीय बास्केट की कीमत 5 दिन पहले 123.7 अरब डॉलर थी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया कांट्रा फंड एनएफओ

मुंबई, एजेंसी। प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने प्रूडेंशियल कॉन्ट्रा फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी (बाजार के आम रुझान के उलट निवेश करने की रणनीति) पर काम करती है। कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट इस सोच पर आधारित है कि बाजार अक्सर एसेट्स की गलत कीमत तय करते हैं और यह गलत कीमत तय होना हर एसेट क्लास (चाहे वह इक्विटी हो, डेट हो या रियल एस्टेट) की एक स्वाभाविक विशेषता है। यह न्यू फंड ऑफर निवेश के लिए खुल गया है। इसमें निवेशक आगामी 12 अक्टूबर तक निवेश कर सकेंगे। यह स्कीम ऐसे मौकों की पहचान करने के लिए आम राय से हटकर और रिसर्च पर आधारित तरीका अपनाती है। इसका लक्ष्य ऐसे निवेशक हैं जो लंबे समय के नजरिए से निवेश करना चाहते हैं और बाजार के मूड या धारणा के बदलने का इंतजार करने को तैयार हैं। म्यूचुअल



फंड की इस स्कीम को संकरन नरेन, धर्मेश कक्कड़, साक्षात गोयल और गौरव चिकने मिलकर मैनेज करेंगे। प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के संकरन नरेन का कहना है 'कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टिंग का मतलब सिर्फ सस्ती चीजें खरीदना नहीं है। इसके लिए मजबूत रिसर्च और लंबे समय का नजरिया चाहिए। कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टिंग की खासियत यह है कि हम तब खरीदते हैं जब किसी स्टॉक की मांग कम हो, जब खरीदारों के मुकाबले बेचने वाले ज्यादा हों और इसलिए उसकी कीमत काफी गिर गई हो।' उनके मुताबिक, इस स्कीम में अलग-अलग मार्केट कैपिटलाइजेशन में निवेश करने की सुविधा है, लेकिन हमारा मुख्य फोकस उन स्टॉक्स की पहचान करना होगा जिनका प्रदर्शन खराब रहा है। रिसर्च के जरिए सही निवेश को पहचाना जाए और इंतजार करने का धैर्य रखा जाए, क्योंकि कॉन्ट्रेरियन स्थिति में बदलाव जल्दी नहीं आता।

भारत में जन्म, अमेरिका में पढ़ाई अब 1.73 लाख करोड़ का दांव...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का अमेरिका में बड़ा दांव लगाने जा रहा है। ग्रुप ने अमेरिका में 18 अरब डॉलर यानी करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। एस्सार ग्रुप की अमेरिकी सब्सिडियरी मेसाबी मेटालिक्स आयोवा में अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बनाने जा रही है। 18 अरब डॉलर की रकम इसी प्रोजेक्ट में निवेश की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में आयोवा प्रोजेक्ट की घोषणा की, जिसमें रेवंत रुइया समेत रुइया परिवार के सदस्य मौजूद थे।

ट्रंप के मुताबिक, प्रस्तावित प्लांट की सालाना स्टील उत्पादन क्षमता करीब 1 करोड़ टन होगी। उत्पादन शुरू होने के बाद यह अमेरिका के सबसे बड़े सिंगल-साइट स्टील प्लांट्स में शामिल होगा। इस घोषणा के केंद्र में मेसाबी मेटालिक्स के चेयरमैन रेवंत रुइया थे, जो उस परिवार के सदस्य हैं जिसने एस्सार की स्थापना के बाद से इसे कंट्रोल किया है।

ग्रुप के नाम के पीछे की कहानी



यह सच्ची घर वापसी

रेवंत रुइया से जुड़े रुइया परिवार की अगली पीढ़ी के प्रमुख कारोबारी चेहरों में शामिल हैं। उन्होंने कार्यक्रम में बताया कि उनका जन्म भारत में हुआ और उन्होंने न्यूयॉर्क, बोस्टन और कैलिफोर्निया में पढ़ाई की। उनके मुताबिक, उन्होंने अपनी जिंदगी का करीब आधा हिस्सा अमेरिका में बिताया है। अमेरिका में इतने बड़े निवेश को उन्होंने सच्ची घर वापसी बताया। उनके परिवार का अमेरिका में कारोबार नया नहीं है। एस्सार वर्ष 2007 से मिनेसोटा में मौजूद है और अब कंपनी वहां की आयरन-ओर संपत्तियों को अपने स्टील प्रोजेक्ट से जोड़ने की तैयारी कर रही है। रेवंत रुइया एस्सार ग्रुप के को-फाउंडर रवि रुइया के बेटे हैं। वह रुइया परिवार की तीसरी पीढ़ी से आते हैं और एस्सार की अमेरिकी कंपनी के चेयरमैन हैं। यही कंपनी मिनेसोटा में आयरन-ओर ऑपरेशन और आयोवा में प्रस्तावित बड़े स्टील प्लांट पर काम कर रही है। एस्सार की कहानी रवि रुइया और उनके बड़े भाई शशि रुइया से शुरू होती है। दोनों भाइयों ने 1969 में एस्सार ग्रुप की स्थापना की थी। शशि रुइया का नवंबर 2024 में 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। ग्रुप की शुरुआत चेन्नई पोर्ट पर बाहरी ब्रेकवाटर से जुड़े एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट से हुई थी। उस समय इस प्रोजेक्ट की कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपये थी। यहीं से आगे चलकर एक बड़े औद्योगिक कारोबारी समूह की नींव पड़ी। एस्सार नाम भी दोनों भाइयों के नाम से बना है।

अमेरिका के नक्शे ने चौंकाया, कई राज्यों में भारतीय सबसे ज्यादा कमाने वाले प्रवासी

हर्ष गोयनका ने शेयर की तस्वीर



नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की आर्थिक सफलता को लेकर चेयरमैन हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। साथ ही उन्होंने अमेरिका का एक नक्शा शेयर करते हुए वहां के अलग-अलग राज्यों में प्रवासी समुदायों की इनकम से जुड़ी तस्वीर दिखाई है।

हर्ष गोयनका ने पोस्ट में लिखा है 'अमेरिका भर में भारतीयों को अपनी कड़ी मेहनत, उद्यमशीलता और लगन के बल पर सफलता हासिल करते और आगे बढ़ते देखना गर्व की बात है। वे अपने साथ भारत की भावना लेकर चलते हैं। साथ ही जिस देश को वे अपना घर कहते हैं, उसकी तरक्की में भी अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।'

क्या है नक्शे में: हर्ष गोयनका की ओर से शेयर किए गए नक्शे का शीर्षक है। नक्शे में अमेरिकी राज्यों में प्रमुख प्रवासियों के बीच मीडियन इनकम के आधार पर तुलना दिखाई गई है। नक्शे के मुताबिक, कई अमेरिकी राज्यों में भारत में जन्मे प्रवासी प्रमुख प्रवासी समूहों में सबसे ज्यादा मीडियन आय वाले समूह के तौर पर दिखाई देते हैं। इनमें कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, मैरीलैंड, वॉशिंगटन, इलिनॉय, जॉर्जिया, मिशिगन, मिनेसोटा समेत कई राज्य शामिल हैं।

वहीं कुछ राज्यों में अलग-अलग देशों के प्रवासी समूह शीर्ष पर हैं। उदाहरण के लिए न्यूयॉर्क में इजरायल, मैसाचुसेट्स में भारत, पेंसिल्वेनिया में चीन, वर्जीनिया में दक्षिण कोरिया, फ्लोरिडा में कोलंबिया और हवाई में जापान को नक्शे में दिखाया गया है।

किसी ने सराहा, किसी ने सवाल किया: हर्ष गोयनका की इस पोस्ट पर यूजर्स ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। किसी ने हर्ष गोयनका की पोस्ट को सराहा है तो किसी ने सवाल कर लिया है। लिखा है कि अन्य देशों में भारतीय क्या कर रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भारत में उनका प्रदर्शन विचारणीय है। यह योगदान भारत में होना चाहिए था, दुर्भाग्यवश हमने वैश्विक बाजारों को बेच दिया और पिछले 50 वर्षों से अभी भी विकसित राष्ट्र बनने का प्रयास कर रहे हैं।

नामक यूजर ने लिखा है, 'भारत की आत्मा छल, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी है। मेहनत ये तो विशेषाधिकार के भूखे लोग हैं। इन्होंने ङ्क2च से लेकर ममदानी तक अमेरिकियों को मूर्ख बनाया है।

बाजार निवेशकों को दे रहा झटका पर झटका, सेंसेक्स 700 अंक टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में भारी तनाव, कच्चे तेल की कीमत में बढ़त, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, रुपये का 96 के पार जाना समेत अन्य वजहों से घरेलू बाजार में गिरावट देखी जा रही है। इससे निवेशकों को झटका पर झटका लग रहा है। आज बाजार में लगातार दूसरे दिन भारी गिरावट दिखी है। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स आज 200 अंकों की गिरावट के साथ 72,633.68 पर खुला। वहीं, 50 शेयरों वाला निफ्टी 22,732.45 पर ट्रेड की शुरुआत की है। 9 बजकर 37 मिनट पर सेंसेक्स 704.88 अंक गिरकर यानी कि 0.97 फीसदी लुढ़ककर 72,066.84 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 9 बजकर 39 मिनट पर 0.89 फीसदी यानी 203.55 अंक गिरकर 22,576.70 पर दिखा। आइए अब टॉप गेनर्स और लूजर्स को जानते हैं। इसके साथ ही बाजार की गिरावट की बड़ी वजहों को भी जानेंगे। 9 बजकर 37 मिनट पर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल दो में तेजी दिखी। वहीं, 28 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान सेंसेक्स के टॉप गेनर्स और लूजर्स की लिस्ट 10 बजकर 2 मिनट पर निफ्टी के 50 शेयरों में से 6 में तेजी और 44 में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान निफ्टी के टॉप गेनर्स और लूजर्स की लिस्ट बीते कारोबारी सत्र यानी सोमवार को सेंसेक्स गिरावट के साथ 73,734.83 के लेवल पर खुला था, जबकि 50 शेयरों वाला निफ्टी गिरावट के साथ 23,064 के लेवल पर खुला। मार्केट बंद के दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1.52 फीसदी यानी कि 1124.02 अंक लुढ़ककर लाल निशान में 72,771.72 पर बंद हुआ था। वहीं, 50 शेयरों वाला निफ्टी 1.56 फीसदी यानी कि 360.25 अंक गिरकर 22,780.25 पर बंद हुआ था।

पढ़ाई के दौरान मुलाकात और बन गई बिजनेस स्ट्रैटेजी, 2.5 लाख से दो दोस्तों ने बनाई 70 लाख की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी दो दोस्तों माधव नारंग और अरहम जैन की है। गुरुग्राम में मास्टर्स यूनियन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान इनकी मुलाकात हुई। तभी से



इन दोनों ने बिजनेस स्ट्रैटेजी बनानी शुरू कर दी। दोनों ने जल्द ही अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम 'खेत' है। यह एक परफ्यूम ब्रांड है। अपनी अनूठी मार्केटिंग और देसी पहचान के दम पर यह अब तक 70 लाख रुपये की कमाई कर चुका है। इसकी शुरुआत सिर्फ 2.5 लाख रुपये से हुई थी। इसने भारतीय परफ्यूमेरी को बिल्कुल नया और ग्लोबल तेवर दिया है। आइए, यहां माधव नारंग और अरहम जैन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

मास्टर्स यूनियन में बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई के दौरान माधव नारंग और अरहम जैन की मुलाकात हुई। दोनों ने भारत की समृद्ध संस्कृति और अनूठी यादों को खुशबुओं में ढालने के लिए इस ब्रांड की नींव रखी। इन्होंने पारंपरिक पश्चिमी या फ्रेंच परफ्यूमेरी की नकल करने के बजाय 'चाय एंड रम', 'तोता केरी', 'काला पानी' और 'स्नेक चार्मर' जैसे भारतीय नोट्स और अनुभवों पर आधारित परफ्यूम तैयार किए। ये देश की मिट्टी और रोजमर्रा की जिंदगी की सोंधी महक को दिखाते हैं। अपने पुराने ब्रांड स्वरूप को प्रतीकात्मक रूप से अलविदा कहने के लिए दोस्तों ने सोशल मीडिया पर पुराने नाम की अर्थी जैसी तस्वीरें शेयर करते हुए अनोखा 'अंतिम संस्कार' किया। पूरी तरह से अपने स्वदेशी उत्तर भारतीय नाम 'खेत' के साथ वापसी की। अक्टूबर 2025 में हुए इस रीब्रैंडिंग के बाद उन्होंने बिना किसी विदेशी नकल के शुद्ध भारतीय तेवर वाले उत्पादों पर फोकस किया।

2.5 लाख रुपये से हुई शुरुआत

इस स्टार्टअप का सफर आसान नहीं था। इसकी शुरुआत कन्नौज की गलियों से लेकर दिल्ली के परफ्यूमर्स तक के संघर्ष से जुड़ी है। शुरुआती दिनों में अपनी बचत और माता-पिता की मदद से 2.5 लाख रुपये जुटाकर इन युवाओं ने दिल्ली में ऑफलाइन पॉप-अप (टेम्परेरी स्टोर) के जरिए अपने ब्रांड को लॉन्च किया। बाद में यह 30-34 लाख रुपये के रेवेन्यू तक पहुंचा। हालांकि, शुरुआती सफलता के बावजूद संस्थापकों को लगा कि वे अपने ब्रांड को लेकर पूरी तरह प्रामाणिक नहीं हो पा रहे हैं। कारण है कि वे पश्चिम से प्रेरित नामों का इस्तेमाल कर रहे थे। इसी अंतर्द्वंद्व ने उन्हें एक बड़े रीब्रैंडिंग फैसले की ओर धकेला।

गिरते-गिरते सात हफ्ते के लो पर सोना, चांदी में भी 2,900 की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमत सोमवार को सात हफ्ते के लो पर पहुंच गई थी। आज भी इसमें ज्यादा बदलाव नहीं आया है। लेकिन एमसीएक्स पर सोने और चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार में गिरावट आई है। मिडिल ईस्ट में सप्लाई में रुकावट की चिंता के बीच तेल की कीमतों में लगातार दूसरे सेशन में बढ़ोतरी हुई है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर दिख रहा है। शुरुआती कारोबार में सोना 1,200 रुपये से अधिक गिर गया जबकि चांदी करीब 3,000 रुपये सस्ती हुई है। एमसीएक्स पर 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,46,804 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,46,776 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,266 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,538 रुपये तक फिसला। 11 बजे यह 482 रुपये यानी 0.33 फीसदी गिरावट के साथ 1,46,322 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

इसी तरह 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी भी पिछले सत्र 2,27,442 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 2,25,945 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 2,942 रुपये गिरावट के साथ 2,24,500 रुपये तक फिसली। सुबह 11.10 बजे यह 2,702 रुपये यानी 1.19 फीसदी गिरावट के साथ 2,24,740 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। फिजिकल मार्केट में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुडरिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 1,370 रुपये की गिरावट के साथ 1,48,800 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।



1.73 लाख करोड़ रुपये का निवेश, 6000 नौकरियां... एस्सार ग्रुपऔर ट्रंप के बीच बड़ी डील, अमेरिका में बनेगा स्टील प्लांट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कारोबारी समूह एस्सार ग्रुप अमेरिका में करीब 18 अरब डॉलर (लगभग 1.73 लाख करोड़ रुपये) का बड़ा निवेश करने जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में इसकी घोषणा की। एस्सार की अमेरिकी सब्सिडियरी आयोवा में अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बनाने की योजना पर काम करेगी। ट्रंप के मुताबिक, यह प्लांट हर साल करीब 1 करोड़ टन स्टील का उत्पादन करेगा। हालांकि यह भारत के कुल सालाना स्टील उत्पादन की तुलना में कम है, लेकिन अमेरिका में एक ही जगह पर बनने वाले सबसे बड़े स्टील प्लांट्स में शामिल होगा। इस प्रोजेक्ट की खास बात इसका इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन मॉडल है। एस्सार मिनेसोटा में अपनी आयरन-ओर माइन से कच्चा माल निकालेगा और उसी का इस्तेमाल आयोवा के नए स्टील प्लांट में किया जाएगा। एस्सार के चेयरमैन रेवंत रुइया ने बताया कि उनका परिवार मिनेसोटा में एक नई आयरन-ओर माइन के लिए करीब 3 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। उनके मुताबिक, यह अमेरिका में करीब 50 वर्षों में शुरू होने वाली पहली नई आयरन-ओर माइन होगी। ट्रंप ने भी परियोजना की इस खासियत पर जोर देते हुए कहा कि यहां स्टील की पूरी प्रक्रिया (माइन से लेकर पिघलाने और तैयार करने तक) अमेरिका में ही होगी।



अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस परियोजना से निर्माण के दौरान करीब 6000 नौकरियां पैदा होंगी, जबकि प्लांट और माइन के संचालन से लगभग 2000 स्थायी मैन्युफैक्चरिंग और माइनिंग नौकरियां मिलेंगी। ट्रंप के अनुसार, अगले करीब 10 वर्षों में एडवांस स्टीलमेकिंग टेक्नोलॉजी के जरिए यह परियोजना विकसित की जाएगी।

पैसा बनाने की मशीन! 6 महीने में 33 प्रतिशत तक धांसू रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों ने भारतीय शेयर बाजार को तगड़ा झटका दिया है। बीते 28 सितंबर को मार्केट में 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस दौरान लोग मार्केट में डायरेक्ट निवेश करने की बजाय म्यूचुअल फंड्स की ओर रुख कर रहे हैं। इस बीच हम यहां इक्विटी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स से चार ऐसे फंड की बात कर रहे हैं, जिन्होंने अपने पात्र निवेशकों को बीते 6 महीने में 33 फीसदी तक का धांसू रिटर्न दिया है। अगर आप भी म्यूचुअल फंड में एसआईपी करते हैं या करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। हम यहां चार इक्विटी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड की बात कर रहे हैं, जिन्होंने बीते 6 महीने में 26.8 फीसदी से लेकर के 33.3 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इक्विटी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड की बात करें तो इस फंड का कम से कम 65 फीसदी हिस्सा स्मॉल कैप शेयर में निवेश होता है। अब बात 6 महीने के रिटर्न की करें तो बंधन स्मॉल कैप ने बीते 6 महीने में 28.8 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इन्वेस्को इंडिया स्मॉल कैप ने 33.1 फीसदी तो क्वांट स्मॉल कैप ने बीते 6 महीने में 33.3 प्रतिशत का बड़ा रिटर्न दिया है।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, जनसुनवाई में 110 आवेदकों के प्रकरणों की हुई सुनवाई



भिण्ड। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में कलेक्टर भिण्ड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 110 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत भिण्ड, अपर कलेक्टर द्वारा भी आवेदकों की समस्याओं पर जनसुनवाई की गई।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुघर्टना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं, बीपीएल राशन कार्ड एवं जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने 02 अक्टूबर को किया शुष्क दिवस घोषित



भिण्ड। कलेक्टर भिण्ड ने म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये। 02 अक्टूबर 2026 (महात्मा गांधी जयंती) के अवसर पर भिण्ड जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों तथा एफ.एल.-3 होटलवारों एवं एफ.एल.-9, 9ए, डी.-1, सी.एस.-1बी, एवं बी-3 ईकाइयों एवं स्टोरेज मद्यभाण्डागार को सम्पूर्ण दिवस पूर्णतः बन्द रखा जाना तथा मदिरा की बिक्री निषिद्य रखा जाना आदेशित किया है। मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) भोपाल दिनांक 20 फरवरी 2026 की कंण्डिका-47.1 के अनुसार दिनांक 02 अक्टूबर 2026 (महात्मा गांधी जयंती) को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। वर्ष 2026-27 के आबकारी ठेकों के निष्पादन की शर्तों में तद्नुसार उपबंधित भी किया गया है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम हुआ आयोजित

भिण्ड। जिला रोजगार कार्यालय भिण्ड द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) भिण्ड में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेहगांव के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के बड़ी संख्या में छात्र लाभान्वित हुए।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा छात्रों को अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुसार सही करियर चुनने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। छात्रों को नवीन व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न ट्रेड, जैसे आईटी/आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि तथा आईटीआई में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही औद्योगिक/शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यावहारिक जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

वक्ताओं ने बताया कि कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने छात्रों को शासन की रोजगारोन्मुखी योजनाओं तथा जिला रोजगार कार्यालय की सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक अपने प्रश्न पूछे और करियर संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

सांसद आलोक शर्मा ने बच्चों को खिलौने एवं फल-मिष्ठान वितरित किए, 17 आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता सम्मानित

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत परियोजना जेपी नगर में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन चार भवन, नारियलखेड़ा में किया गया। कार्यक्रम सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय, वार्ड क्रमांक-12 के पार्षद श्री देवेंद्र भार्गव, श्री धर्मेंद्र अग्रवाल, परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक श्रीमती श्रद्धा मेहता, डॉ. जितेंद्र सैनी सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, आशा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 200 लोगों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सहजन के पौधे का रोपण एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा लगाई गई पोषण व्यंजन प्रदर्शनी के अवलोकन से हुआ। प्रदर्शनी में घर में उपलब्ध सामग्री से पौष्टिक एवं संतुलित भोजन तैयार करने की विधियों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रसारित संदेश भी उपस्थित हितग्राहियों को सुनाया गया।

हितग्राहियों के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें ब्लड प्रेशर, एनीमिया सहित अन्य स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक भी किया गया।



आंगन मिलन सेवा के अंतर्गत सांसद श्री आलोक शर्मा ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया तथा उन्हें खिलौने, फल एवं मिष्ठान वितरित किए। बच्चों एवं माताओं का स्वागत गुलाब की पंखुड़ियों एवं ढोल की थाप के साथ किया गया।

कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी श्री धर्मेंद्र अग्रवाल ने परियोजना जेपी नगर के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में इन गतिविधियों को चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत तीन-तीन परियोजनाओं में तीन-तीन दिवस तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि निर्धारित अवधि में जिलेभर में अभियान की गतिविधियां निरंतर संचालित हो सकें।

इस अवसर पर सांसद एवं अतिथियों द्वारा 17 आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं एवं आशा कार्यकताओं को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत तीन बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना के आश्वासन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री आलोक शर्मा ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकताओं एवं हितग्राहियों का आह्वान किया कि ह्लअपनी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारीह्व की भावना के साथ अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सक्रिय सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर प्रयास करें कि आंगनबाड़ी केंद्रों को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने उपस्थितजनों को आश्वस्त किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों से संबंधित किसी भी समस्या की जानकारी उन्हें दी जा सकती है, ताकि उसके निराकरण के लिए आवश्यक प्रयास किए जा सकें।

कार्यक्रम के अंत में पोषण माह अभियान के अंतर्गत उपस्थित प्रतिभागियों को पोषण शपथ दिलाई गई और स्वस्थ एवं सुपोषित समाज के निर्माण में सामूहिक सहभागिता का संकल्प लिया गया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में अब तक 64 हजार 644 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 440 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अब तक कुल 64 हजार 644 उपभोक्?ता पंजीकृत हुए हैं, जिन्?हें 440 करोड़ 40 लाख से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में उनके खातों में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

गौरतलब है कि इस योजना के तहत एक किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रुपए, दो किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है।

कहां करें आवेदन

पीएम सूर्यघर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। योजना में शामिल होने के लिए आनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट स्रे२४१८ँ.ङ्घ५.ल्ल पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट स्रङ्घ१३ं.स्रू९.ल्ल अथवा उपाय एप, वॉट्सएप चेटबॉट व टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।



कंपनी ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर सब्सिडी मिले इसके लिए वेंडर और उपभोक्ता दोनों को ध्यान रखना होगा कि उनके बैंक खाते में नाम, आधार कार्ड में नाम तथा बिजली बिल में नाम एक समान होना चाहिए। गौरतलब है कि 1 दिसंबर 2024 से स्थापित होने वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सौर संयंत्रों में केवल स्मार्ट मीटर ही लगाए जा रहे हैं, जो कि मध्?य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा एस.ओ.आर. रेट पर उपभोक्?ताओं को प्रदान किए जा रहे हैं जिससे उपभोक्?ताओं द्वारा सोलर वेंडर को किए जाने वाले भुगतान में लगभग 6 से 8 हजार रुपए तक की कमी परिलक्षित हो रही है।

गौहर महल के हैंडलूम एक्सपो में दिखी देशभर की बुनकरी की अनूठी विरासत

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पारंपरिक बुनकरी, महीन कारीगरी और देश के अलग-अलग हिस्सों की समृद्ध वस्त्र परंपराएं इन दिनों गौहर महल में एक ही छत के नीचे देखने को मिल रही हैं। विकास आयुक्त (हाथकरघा), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, मध्यप्रदेश शासन तथा संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के संयुक्त तत्वावधान में स्टेट हैंडलूम एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। एक्सपो में देश के 16 राज्यों से आए करीब 50 से 65 बुनकर और शिल्पी अपने हाथकरघा उत्पादों के साथ शामिल हुए हैं। यहां साड़ियों से लेकर शॉल, ड्रेस मटेरियल और घरेलू उपयोग की वस्तुओं तक हाथ से बुनी विविध वस्तुओं का संग्रह देखने को मिल रहा है। एक्सपो में उत्तरप्रदेश, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात, तेलंगाना, महाराष्ट्र, झारखंड, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के शिल्पी अपनी क्षेत्रीय बुनकरी और शिल्प परंपरा को प्रस्तुत कर रहे हैं। अलग-अलग राज्यों के उत्पादों की बुनावट, रंग संयोजन और डिजाइन उनकी स्थानीय संस्कृति की पहचान को भी सामने लाते हैं।





कश्मीर का फेरन और पश्मीना

जम्मू-कश्मीर से आए शिल्पी जुनेद कश्मीरी अपने साथ पारंपरिक फेरन, पश्मीना शॉल, जॉर्जेट कुर्ती सहित विभिन्न प्रकार के ड्रेस मटेरियल लेकर आए हैं। उनके स्टॉल पर कश्मीरी पारंपरिक परिधान के साथ कपड़ों की विविध रेंज देखने को मिल रही है। वे बताते हैं कि इस बार कॉटन कानी साड़ी विशेष आकर्षण का केंद्र है। कानी बुनाई की पारंपरिक तकनीक में महीन डिजाइन और पैटर्न कपड़े की खूबसूरती को अलग पहचान देते हैं।

बालूचरी, पटोला और सिल्क की खास रेंज

पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध बालूचरी साड़ियां एक्सपो में आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। इन साड़ियों की पहचान उनकी बारीक बुनाई और पल्लू व बॉर्डर पर उकेरे गए पारंपरिक डिजाइन हैं। वहीं छत्तीसगढ़ से आए शिल्पियों के स्टॉल पर कोसा और टसर के उत्पाद उपलब्ध हैं। प्राकृतिक चमक और विशिष्ट बनावट वाले इन कपड़ों की अपनी अलग पहचान है। गुजरात का पटोला अपनी जटिल बुनाई, आकर्षक ज्यामितीय पैटर्न और पारंपरिक रंग संयोजन के लिए जाना जाता है। कर्नाटक की मैसूर सिल्क भी एक्सपो में मौजूद है, जो अपनी मुलायम बनावट और सुरुचिपूर्ण चमक के कारण पसंद की जा रही है। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पी क्षेत्रीय पहचान वाले हाथकरघा उत्पाद लेकर पहुंचे हैं।

चंदेरी-महेश्वर की बुनाई भी शामिल

मध्यप्रदेश की पहचान रखने वाली चंदेरी और महेश्वर की बुनकरी भी एक्सपो में मौजूद है। चंदेरी से आईं शिल्पी तस्लीम अली चंदेरी और महेश्वर में तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित कर रही हैं।

भारत भवन में भावसार की कला-परंपरा के रंग, शिष्यों के कैनवास पर दिखे विविध आयाम, भारत भवन में हुआ रूपाभ श्रृंखला के तहत प्रदर्शनी का शुभारंभ

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

भारत भवन की रंगदर्शनी दीर्घा मंगलवार को रंग, रेखा, रूप और भावों के ऐसे संगम की साक्षी बनी, जहां प्रख्यात कलागुरु लक्ष्मीनारायण भावसार की कला-परंपरा उनके शिष्यों के कैनवास पर अलग-अलग रंग-संवेदनाओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों के साथ आकार लेती दिखाई दी। समकालीन कला को मंच प्रदान करने वाली प्रदर्शनी श्रृंखला ह्यरुपाभह्ल के अंतर्गत आयोजित इस समूह चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने किया। प्रदर्शनी में भावसार के शिष्यों की विविध शैलियों और कला-दृष्टि से परिचित कराने वाली कुल 40 कृतियां प्रदर्शित की गई हैं। कला प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी 4 अक्टूबर तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में शीला गर्ग, आलोक भावसार, राजू राठौर, वंदना शर्मा, निलेश उपाध्याय, शैलेन्द्र नामदेव, शंकर राजपूत, रविन्द्र भावसार, कल्पित सोनी और आदित्य भावसार की कृतियां शामिल हैं। इन चित्रों में कहीं प्रकृति की सहज लय है तो कहीं मानवीय संवेदनाओं का सूक्ष्म संसार। कहीं लोक संस्कृति रंगों में मुखर होती है तो कहीं आध्यात्मिक अनुभूति अमूर्त रूपों और प्रतीकों के माध्यम से कैनवास पर उतरती है। उद्घाटन अवसर पर भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में गुरु-शिष्य परंपरा, स्मृति, प्रकृति, लोक संस्कृति और समकालीन संवेदना एक साथ रंगों के माध्यम से





आकार लेती दिखाई देती है।

27 से 60 वर्ष तक के कलाकारों की कलाकृतियां

इस प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें कलागुरु लक्ष्मीनारायण भावसार से जुड़े अलग-अलग पीढ़ियों के कलाकारों की रचनात्मक यात्रा एक साथ दिखाई देती है। उनके 27 वर्षीय शिष्य से लेकर 60 वर्ष से अधिक आयु के कलाकारों तक की कृतियां यहां प्रदर्शित हैं। इस तरह प्रदर्शनी केवल चित्रों का संकलन नहीं, बल्कि एक गुरु से शिष्य तक पहुंची कला-दृष्टि और उसके बदलते रूपों का जीवंत दस्तावेज भी बनती है।

लोक संस्कृति से आध्यात्मिकता तक

कलाकार कल्पित सोनी ने अपनी कृतियों में आंतरिक आध्यात्मिकता को दृश्य रूप देने का प्रयास किया है। पिछले आठ वर्षों से चित्रकला में सक्रिय सोनी लोक कलाओं को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाते हैं। उनके चित्रों में लोक जीवन की छवियों के साथ अलग-अलग संस्कृतियों का प्रभाव दिखाई देता है। वे हिमाचल की रावला और रावली लोक संस्कृति तथा जापान की लोक कला के बीच संबंधों को अपनी कलात्मक दृष्टि से देखने का प्रयास करते हैं। आलोक भावसार ने ह्यगुपचुपह्ल, ह्यमन की बातह्ल और ह्यप्रतीक्षाह्ल जैसे शीर्षकों के माध्यम से स्त्री जीवन के विभिन्न रूपों और मनोभावों को चित्रित किया है। उनके फिगरेटिव वर्क में स्त्री आकृतियां केवल दृश्य संरचना का हिस्सा नहीं, बल्कि भावनाओं और सामाजिक अनुभवों की अभिव्यक्ति बनकर सामने आती हैं। करीब तीन दशकों से कला साधना में सक्रिय डॉ. वंदना शर्मा ने अपने गुरु लक्ष्मीनारायण भावसार का पोर्ट्रेट तैयार किया था। यह चित्र वे अपने गुरु को भेंट करना चाहती थीं, लेकिन भावसार के आकस्मिक निधन के कारण वह भाव आज भी उनके भीतर एक कश्मकश की तरह मौजूद है। उनके प्रस्तुत रियलिस्टिक वर्क में प्रकृति, विशेषकर पेड़, विभिन्न रूपों और संरचनाओं के साथ दिखाई देते हैं।

स्मृतियों को कैनवास पर संजोती कला

शीला गर्ग ने बताया कि वे वर्ष 1970 से लक्ष्मीनारायण भावसार के सान्निध्य में रहीं और तभी से निरंतर चित्रकला के क्षेत्र में सक्रिय हैं। लैंडस्केप, नेचर और फिगरेटिव वर्क उनकी पसंदीदा कला विधाएं हैं, जबकि ऑयल माध्यम उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने भावसार के साथ अजंता-एलोरा की यात्रा की स्मृतियों को भी अपनी कला-यात्रा से जोड़ा।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088